हिंदी दैनिक अखबार

बिहार पत्रिका

सच के साथ

DAINIK BIHAR PATRIKA

पटना, सोमवार, 02 मार्च 2026 | वर्ष : 5, अंक : 65 पृष्ठ : 8, मूल्य : निशुल्क | web_dainikbiharpatrika.com | Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com | सम्पादक : कृष्णा टेकड़ीवाल

यूएस-इजराइल हमले में मिडिल ईस्ट में फंसे भारतीय को बचाए सरकार

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस ने अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों की कड़ी निंदा की है। कांग्रेस ने भारत सरकार से इस युद्ध को तुरंत खत्म करने और पश्चिम एशिया में सभी भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद की अपील की है। बता दें इस भयानक युद्ध के बीच कई भारतीय मिडिल ईस्ट में फंसे हुए हैं। हालांकि भारत सरकार की ओर से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि हफ्तों तक राष्ट्रपति ट्रंप ईरान के साथ डिप्लोमेसी और बातचीत का दिखावा करते रहे हैं। इजराइली पीएम नेतन्याहू और अमेरिका में कट्टरपंथियों के उकसाने पर उन्होंने शासन बदलने के मकसद से एक सैन्य हमला शुरू किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस हमले की निंदा करती है और सरकार से इस वॉर को खत्म करने में मदद करने की अपील करती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मिडिल ईस्ट संकट पर कहा कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तेजी से बढ़ती दुश्मनी चिंताजनक है। पूरे मिडिल ईस्ट में हर भारतीय नागरिक की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। इस बीच कांग्रेस ने पीएम मोदी के इजराइल दौरे को शर्मनाक और गलत समय पर बताया और कहा कि इससे मिलिट्री बढ़ोतरी को राजनीतिक समर्थन मिलने का एहसास होता है। रमेश ने कहा कि मोदी के इजराइल दौरे का जश्न मनाने के दो दिन बाद, इजराइल और अमेरिका ने ईरान पर मिलकर हमला शुरू कर दिया।

साणंद विकास और नवाचार का एक जीवंत केंद्र बन गया: पीएम मोदी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुजरात के साणंद दौरे के बाद यहां के लोगों की तारीफ की है। पीएम मोदी ने रविवार को एक्स पर रोड शो का एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने शनिवार को साणंद में रोड शो किया था। पीएम मोदी ने पोस्ट में लिखा- साणंद ने पिछले कई सालों में अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। पहले इसे कुछ लोग एक साधारण जगह मानते थे, लेकिन आज यह विकास और नवाचार का एक जीवंत केंद्र बन चुका है। इससे पहले शनिवार को पीएम मोदी ने साणंद में माइक्रोन एटीएमपी केंद्र का उद्घाटन किया था। वाणिज्यिक उत्पादन की शुरूआत का प्रतीक यह ऐतिहासिक आयोजन, वैश्विक प्रौद्योगिकी नेतृत्व की ओर भारत की यात्रा में एक अहम उपलब्धि है। इस परियोजना का शिलान्यास सितंबर 2023 में हुआ था और यह इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत स्वीकृत होने वाला पहला प्रस्ताव था। इसे 22,500 करोड़ रुपए से ज्यादा के कुल परिव्यय के साथ, निर्माण कार्य स्वीकृति के तुरंत बाद शुरू किया गया। इससे देश में रणनीतिक सेमीकंडक्टर निवेश को गति देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का पता चलता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि साणंद में हम एक नए भविष्य की शुरूआत देख रहे हैं। माइक्रोन के एटीएमपी केंद्र में वाणिज्यिक उत्पादन

की शुरूआत वैश्विक प्रौद्योगिकी मूल्य श्रृंखला में भारत की भूमिका को मजबूत करने के लिए तैयार है। पीएम मोदी ने नए भारत की मानसिकता उल्लेख किया, जहां नीति से उत्पादन की ओर परिवर्तन अभूतपूर्व गति से हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने जटिल नियामक प्रक्रियाओं को काफी हद तक सरल बना दिया है और कुछ ही महीनों में अग्रिम मूल्य निर्धारण समझौतों को सफलतापूर्वक मंजूरी दे दी है।

उन्होंने कहा कि विकसित देशों में भी इस प्रक्रिया को पूरा होने में आमतौर पर तीन से पांच साल लग जाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि जब इरादा स्पष्ट होता है और राष्ट्र के तीव्र विकास के प्रति समर्पण होता है, तो नीतियां पारदर्शी हो जाती हैं और निर्णय गति पकड़ते हैं।

खास / खबरे

अमेरिका से नहीं हुई ट्रेड डील, राहुल साबित कर दें तो राजनीति छोड़ दूंगा: गिरिराज सिंह

भिवानी,(एजेंसी)। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि अभी अमेरिका से कोई ट्रेड डील नहीं हुई है। राहुल ये साबित कर दें तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा। भिवानी में आयोजित ग्लोबल टेक टेक्सटाइल्स सम्मेलन में बतौर उन्होंने कहा कि दुनिया में टेक्सटाइल्स का एक्सपोर्ट आज 800 बिलियन डॉलर का है जो आने वाले दिनों में और बढ़ेगा। टेक्सटाइल को उन्नत बनाने के लिए 1.5 हजार करोड़ रुपए दिए जाने पर पीएम मोदी का उन्होंने आभार माना। केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने कहा कि आने वाले दिनों में फाइबर से नई तकनीक का सरिया बनेगा, जो सस्ता, हल्का व मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि अभी तक भारत-अमेरिका के बीच कोई ट्रेड डील नहीं हुई है। किसानों की पीठ में छुरा अब नहीं, तब घुपा था जब कांग्रेस ने डब्ल्यूटीओ में किसानों को गिरवी रखा था। गिरिराज ने इस ट्रेड डील के बाद भारत के बांग्लादेश से भी पिछड़ने के सवाल पर राहुल गांधी को निशाने पर लिया और कहा कि उन्होंने झूठ बोलने का ठेका ले लिया है। वो बता दें ट्रेड डील कब हुई, कब ज्वाइन हस्ताक्षर हुए तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा। उन्होंने कहा कि इनके खानदान का काम देश व किसानों में अफवाह फैलाना है।

ईरान में शासन का अंत, खामेनेई की मौत के बाद बदल जाएगा मिडिल ईस्ट का भूगोल

तेहरान,(एजेंसी)। ईरान से आ रही बड़ी खबरों के बीच दुनिया भर की नजरें अब मध्य पूर्व (मिडल ईस्ट) पर टिक गई हैं। इजरायल और अमेरिका के हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई के मारे जाने की सूचना है। इस घटना ने न केवल ईरान की आंतरिक राजनीति को हिलाकर रख दिया है, बल्कि पिछले 47 वर्षों से वहां चला आ रहा इस्लामिक शासन भी अब समाप्त हो गया है। खामेनेई की मौत के साथ ही ईरान में सत्ता परिवर्तन की सुगबुगाहट तेज हो गई है और कयास लगाए जा रहे हैं कि अमेरिका में निर्वासित जीवन जी रहे ईरान के क्राउन प्रिंस रजा पहलवी अब देश की कमान संभाल सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान में शासन परिवर्तन केवल एक देश की आंतरिक घटना नहीं है, बल्कि इससे पूरे मिडिल ईस्ट का समीकरण पूरी तरह बदल जाएगा। अब तक ईरान इस क्षेत्र में अमेरिका और इजरायल विरोधी ताकतों का मुख्य केंद्र रहा है। ईरान की सेना के समर्थन से फलने-फूलने वाले उग्रवादी संगठन–हमास, हूती और हिजबुल्लाह–अब नेतृत्व और संसाधनों के अभाव में कमजोर पड़ सकते हैं। ये तीनों संगठन लंबे समय से इजरायल के लिए सुरक्षा चुनौती बने हुए थे और इन्हें ईरान का सीधा संरक्षण प्राप्त था। ईरान ने इन संगठनों के जरिए क्षेत्र के तीन महत्वपूर्ण देशों–यमन (हूती), लेबनान (हिजबुल्लाह) और फिलिस्तीन के गाजा व वेस्ट बैंक (हमास)–पर अपना परोक्ष नियंत्रण बना रखा था। अब जबकि ईरान में एक ऐसी सरकार बनने की संभावना है जिसे अमेरिका का समर्थन प्राप्त होगा, इन संगठनों का वर्चस्व समाप्त होना तय माना जा रहा है। इसका सीधा लाभ इजरायल को मिलेगा, जो अब इस क्षेत्र में एक निर्विवाद सुपर पावर के रूप में उभर सकता है। ईरान अब तक सऊदी अरब और तुर्की जैसे सुन्नी बहुल देशों के मुकाबले शिया इस्लाम की नुमाइंदगी मजबूती से करता रहा है। लेकिन शासन बदलने से यह धार्मिक और राजनीतिक संतुलन भी प्रभावित होगा। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और कतर जैसे प्रमुख मुस्लिम देश पहले ही अमेरिका के सहयोगी रहे हैं और अब्राहम अकॉर्ड जैसे समझौतों के जरिए इजरायल के साथ अपने रिश्तों को सामान्य करने की दिशा में बढ़ चुके हैं। अब तक ईरान ही वह एकमात्र बड़ी शक्ति थी जो खुलकर इजरायल का विरोध कर रही थी। ईरान में सत्ता परिवर्तन के बाद इजरायल के खिलाफ खड़ा होने वाला कोई बड़ा मोर्चा नहीं बचेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि दबाव में ही सही, लेकिन इजरायल की स्वीकार्यता और ताकत अब चरम पर होगी। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि रजा पहलवी के नेतृत्व में नया ईरान अपनी विदेश नीति को किस तरह आगे बढ़ाता है और क्या मिडिल ईस्ट के दशकों पुराने संघर्षों पर हमेशा के लिए विराम लग पाएगा।

एक ही फ्लैट कई लोगों को बेचकर करोड़ों की ठगी आरोपी पति–पत्नी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। द्वारका में पुलिस ने बंटी-बबली स्टाइल ठगी का खुलासा कर दिया है। यहां दंपति ने एक ही फ्लैट कई लोगों को बेचकर करोड़ों की ठगी की है। पुलिस ने आरोपी पति-पत्नी को गिरफ्तार किया। दिल्ली पुलिस ने द्वारका इलाके में प्रॉपर्टी के नाम पर बड़ी ठगी करने वाले पति-पत्नी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों ने एक ही फ्लैट को कई लोगों को बेचने का झांसा देकर करोड़ों रुपये ऐंठ लिए। दिल्ली पुलिस की टीम ने दोनों को ग्रेटर नोएडा से अरेस्ट लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी दंपति लोगों के साथ एग्रीमेंट टू सेल (बिक्री समझौता) कर पैसे ले लेते थे, लेकिन बाद में फ्लैट किसी को भी नहीं देते थे और फरार हो जाते थे। इस मामले में 2024 में द्वारका साउथ थाने में ठगी के दो केस दर्ज किए गए थे। शिकायतकर्ताओं ने पुलिस को बताया कि एक महिला ने अपना फ्लैट बेचने के नाम पर उनसे एग्रीमेंट किया और एडवांस रकम ले ली। लेकिन बाद में न तो फ्लैट दिया और न ही पैसे लौटाए। जांच में सामने आया कि वही फ्लैट कई लोगों को बेचने का वादा किया गया था। पुलिस जांच में पता चला कि फ्लैट पहले से बैंक में गिरवी रखा हुआ था। बैंक का कर्ज चुकाने के लिए आरोपियों ने कई लोगों से पैसे लेने की साजिश रची और अलग-अलग लोगों से करोड़ों रुपये ठग लिए। पुलिस के अनुसार, दंपति ने करीब 2 से 2.5 करोड़ रुपये धोखाधड़ी से जुटाए। लंबे समय तक फरार रहने पर द्वारका कोर्ट ने आरोपी महिला शारदा सिकरी को सितंबर 2025 में प्रोक्लेम्ड ऑफेंडर घोषित कर दिया था। उसकी अग्रिम जमानत याचिका भी अदालतों से खारिज हो चुकी थी।

सेवाधाम आश्रम भेजे 17 बच्चों की मौत मामले में मुख्य सचिव सहित अफसरों को नोटिस

इन्दौर (एजेंसी) उज्जैन के सेवाधाम आश्रम में इन्दौर के युगपुरुष आश्रम से भेजे गए 86 बच्चों में से 17 की मौत के मामले ने हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने स्वतः संज्ञान लेते हुए इसे जनहित याचिका (पीआईएल) के रूप में दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने मामले में मुख्य सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रमुख सचिव, उज्जैन जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी तथा सेवाधाम आश्रम के अधीक्षक को नोटिस जारी कर 12 मार्च तक जवाब मांगा है। बता दें कि उज्जैन के अंबोदिया गांव स्थित सेवाधाम आश्रम जहां निराश्रित, बुजुर्ग, मानसिक और शारीरिक दिव्यांगजनों को रखा जाता है। वर्तमान में वहां ऐसे 1200 लोग हैं, जिसमें महिला, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं। इस आश्रम पर मौत के मामले और अन्य गड़बड़ियों को लेकर समय-समय पर सवाल खड़े होते आए हैं। ऐसा ही मामला अब फिर सामने आया है। जिसमें 86 बच्चों को 10 बच्चों की मौत के बाद इंदौर के बंद किए गए युगपुरुष आश्रम से उज्जैन के सेवाधाम आश्रम में बेहतर देखभाल के लिए शिफ्ट किया गया था। इन 86 बच्चों में से 17 बच्चों की मौत हो गई। और चौंकाने वाली बात यह कि सबकी मौत का कारण भी एक ही - सांस लेने में तकलीफ बताया गया। इसका पता उज्जैन जिला अस्पताल और विद्युत शवदाह गृह के रिकॉर्ड की पड़ताल से चला। मामला उजागर होने के बाद उच्च न्यायालय ने मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए संबंधित जवाबदारों को नोटिस जारी किए हैं।

जंतर-मंतर पर केजरीवाल का शक्ति प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर आम आदमी पार्टी की जनसभा में अरविंद केजरीवाल ने संबोधन किया। आबकारी मामले में बरी होने के बाद यह उनका शक्ति प्रदर्शन था। गोपाल राय ने न्यायाधीशों का धन्यवाद किया, जबकि मनीष सिसोदिया ने कार्यकताओं से केजरीवाल को प्रधानमंत्री बनाने और ईडी-सीबीआई का सामना करने की तैयारी रखने का आह्वान किया। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने भी संबोधित किया। गोपाल राय ने कहा कि भाजपा चाहे किसी भी कोर्ट में जाए, केजरीवाल की छवि खराब नहीं कर सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि केजरीवाल ईमानदार थे, ईमानदार हैं और ईमानदार रहेंगे। जंतर-मंतर पर नौकरी से निकाले गए बस मार्शल, चालक, कंडक्टर तथा मोहल्ला क्लीनिक से हटाए गए डॉक्टर और नर्स भी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

प्रियंका गांधी ने ईरान-इजराइल तनाव पर कहा- आज युद्ध नहीं शांति की आवश्यकता

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या और उसके बाद अमेरिका व इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए संयुक्त हमलों को घृणित करार दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि लोकतांत्रिक दुनिया के नेताओं द्वारा किसी संप्रभु राष्ट्र के नेता की लक्षित हत्या और निर्दोष लोगों की मौत स्पष्ट रूप से निंदा के योग्य है। प्रियंका गांधी ने महात्मा गांधी के कथन का हवाला देते हुए कहा, आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को अंधा कर देती है, और जो दुनिया को आज जरूरत है, वह अनावश्यक युद्धों की नहीं बल्कि शांति की है। उन्होंने भारत सरकार से अपील की कि प्रभावित देशों में फंसे सभी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। सांसद प्रियंका गांधी के बयान से

पहले, आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी अयातुल्ला खामेनेई की हत्या पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। सिंह ने इसे एक युग का अंत बताया और भारत-ईरान के ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ईरान ने हमेशा भारत का समर्थन किया है और संकट के समय भारत सरकार को अपना स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। यहां ऐसा लग रहा जैसे भारत अपना एक अच्छा दोस्त खो रहा है। भारत ने एक भरोसेमंद दोस्त को खो दियाः संजय सिंह यहां संजय सिंह ने कहा कि भारत ने एक भरोसेमंद दोस्त खो दिया है और खामेनेई को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने भारत-ईरान के ऐतिहासिक संबंधों को याद दिलाते हुए कहा कि ईरान ने हमेशा पाकिस्तान के खिलाफ समर्थन दिया और भारत को ऊर्जा सुरक्षा प्रदान की। संजय सिंह ने अपने पोस्ट में आगे लिखा कि संकट की इस घड़ी में भारत सरकार को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए, अन्यथा वैश्विक तानाशाह अमेरिका का अत्याचार पूरी दुनिया में फैल सकता है।

एलओसी पार से पुंछ में घुसा पाकिस्तानी ड्रोन, भारतीय सेना ने फायरिंग कर खदेड़ दिया

जम्मू,(एजेंसी)। एक बार फिर पाकिस्तान की ओर से नापाक हरकत की गई, जबकि जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास पाकिस्तानी ड्रोन भेजा गया। रविवार तड़के डिगवार इलाके में तैनात भारतीय सेना के जवानों ने उक्त संदिग्ध ड्रोन को देखते ही तुरंत जवाबी फायरिंग की।

जानकारी अनुसार पाकिस्तानी ड्रोन रविवार सुबह करीब 6 बजकर 10 मिनट पर भारतीय क्षेत्र में दाखिल होता हुआ दिखाई दिया, जिसके बाद सेना ने दर्जनभर से अधिक राउंड फायर करके वापस लौटने पर मजबूर कर दिया। इस संबंध में सैन्य अधिकारियों ने मीडिया को बताया, कि भारतीय सीमा पर घुसा ड्रोन सेना की गोलीबारी से बच निकला। आसमान में मंडराने के बाद ड्रोन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) की ओर वापस चला गया। यह दूसरी बार हुआ जबकि तीन दिनों के भीतर सीमा पार से ड्रोन गतिविधि देखी गई है, जिसके चलते

भारतीय सेना को कड़े कदम उठाने पड़े हैं। यहां बताते चलें कि 27 फरवरी को भी इसी क्षेत्र में पाकिस्तानी ड्रोन की घुसपैठ हुई थी, जिस पर सेना ने कार्रवाई की थी। ऐसे में मौजूदा घटनाक्रम सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील माना जा रहा है क्योंकि ड्रोन का इस्तेमाल अक्सर हथियार या नशीले पदार्थ गिराने या फिर जासूसी करने के लिए किया जाता है।

ड्रोन वाली घटना के बाद भारतीय सुरक्षा बलों ने संपूर्ण इलाके में सर्च अभियान शुरू कर दिया है। सर्च ऑपरेशन से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि उक्त ड्रोन ने कोई हथियार या प्रतिबंधित सामग्री तो भारतीय सीमा पर नहीं छोड़ी है। इसी के साथ ही पूरे पुंछ सेक्टर में चौकसी बढ़ा दी गई है और सीमा पर भी निगरानी कड़ी कर दी गई है। इस घटना को गंभीर इसलिए भी माना जा रहा है, क्योंकि एक तरफतो पाकिस्तान अफगानिस्तान पर हमले कर रहा और जंग के हालात पैदा किए हुए हैं, वहीं दूसरी ओर भारत में ड्रोन भेजकर एक नया मोर्चा खोलने का इरादा जता रहा है।

एक नजर

रामपुर में रविवार दोपहर शॉर्ट सर्किट से भीषण आग, दो घर जलकर राख; नकदी व कागजात खाक

दैनिक बिहार पत्रिका

गोगरी (खगड़िया)। गोगरी थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में रविवार दोपहर करीब 12 बजे बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी आग में दो घर जलकर राख हो गए। घटना में हजारों रुपये मूल्य की संपत्ति नष्ट हो गई। जानकारी के अनुसार, रामपुर वार्ड संख्याझ01 निवासी स्वर्गीय इंसान की पत्नी जलीशा खातून तथा मो. मुस्तकिम के घर में अचानक बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और दोनों घर पूरी तरह जलकर खाक हो गए। पीड़िता जलीशा खातून ने बताया कि घटना के समय वह जानवरों के लिए घास लाने खेत गई हुई थीं। इसी दौरान सूचना मिली कि घर में आग लग गई है। उन्होंने बताया कि संदूक में रखे करीब दस हजार रुपये नकद और जमीन से संबंधित केवाला सहित जरूरी कागजात जलकर राख हो गए। उन्होंने कहा कि वे मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करती हैं और इस घटना से भारी क्षति हुई है। घटना की सूचना मिलते ही रामपुर के सरपंच नूर आलम ने तत्परता दिखाते हुए दमकल केंद्र को सूचना दी। दमकल की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, जिससे आसपास के अन्य घरों को बचा लिया गया और बड़ा हादसा टल गया। इधर अंचलाधिकारी (सीओ) दीपक कुमार ने बताया कि घटना की जांच कर नियमानुसार सरकारी सहायता पीड़ित परिवार को उपलब्ध कराई जाएगी। इधर, घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल रहा, वहीं पीड़ित परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बेलदौर में दो शराबी गिरफ्तार, उत्पात मचाने पर पुलिस ने भेजा न्यायिक हिरासत

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। बेलदौर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर दो शराबियों को गिरफ्तार किया। दोनों को शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नगर पंचायत के भैंसाडीह गांव निवासी जितेंद्र चौधरी के पुत्र कैलाश चौधरी तथा महिनाथनगर गांव निवासी घूरण शर्मा के पुत्र सिंटू कुमार के रूप में की गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों युवक शराब के नशे में उत्पात मचा रहे थे। इसकी सूचना किसी स्थानीय व्यक्ति ने पुलिस की 112 आपातकालीन सेवा टीम को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को हिरासत में ले लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि आवश्यक चिकित्सीय जांच के बाद दोनों के विरुद्ध मद्य निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि शराब सेवन या किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

गंगा में डूबकर 15 वर्षीय किशोर की मौत, साथी को बचाने में गई जान

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत मथार गांव स्थित गंगा नदी में रविवार को डूबने से 15 वर्षीय एक किशोर की मौत हो गई। मृतक की पहचान दक्षिणी रहीमपुर पंचायत के मथार गांव वार्ड संख्या 6 निवासी उधो यादव के पुत्र सन्नी कुमार के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार, सन्नी अन्य दिनों की तरह अपने पशुओं को नदी में स्नान कराने गया था। इसी दौरान एक अन्य बालक नदी में डूबने लगा। उसे बचाने के प्रयास में सन्नी खुद गहरे पानी में चला गया और डूब गया। घटना के समय घाट पर केवल बच्चे मौजूद थे। कोई वयस्क नहीं होने के कारण समय रहते उसे बाहर नहीं निकाला जा सका। घटना के बाद अन्य बच्चे भयभीत हो गए और करीब एक घंटे बाद परिजनों को सूचना दी गई। जानकारी मिलते ही परिजन ग्रामीणों के सहयोग से सन्नी को आनन-फानन में सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। इधर मुफस्सिल थानाध्यक्ष अमरजीत प्रताप सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

गोगरी में सीएम नीतीश कुमार का 75वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। बिहार प्रदेश जनता दल (यू) परिवार के अभिभावक एवं मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के 75वें जन्मदिन पर रविवार 1 मार्च 2026 को गोगरी बाजार स्थित कौशल कुमार रवि (जिला उपाध्यक्ष, जदयू व्यवसायिक एवं उद्योग प्रकोष्ठ, खगड़िया) के आवास पर समारोहपूर्वक जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री के दीघार्यु और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए भगवान शिव एवं माता पार्वती से प्रार्थना की। उपस्थित नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिहार निरंतर विकास की राह पर अग्रसर है। इस अवसर पर डॉ. कौशल कुमार रवि (जिला उपाध्यक्ष, जदयू), अनिल पोद्दार (प्रदेश सचिव), जहीर आलम (जिला सचिव), रिंकी मालाकार (जिला सचिव), बिनय सिंह (जिला सचिव), शिवनारायण पंडित (प्रखंड अध्यक्ष), मुकेश कुमार मिश्रा (जिला उपाध्यक्ष), नीरज कुमार गुप्ता (जिला उपाध्यक्ष), संजय कुमार गुप्ता (प्रखंड अध्यक्ष, बेलदौर) सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में मिकी देवी, रवीना कुमारी, क्रांति देवी, पिंकू देवी, नीतु कुमारी, ममता कुमारी, टोनी गुप्ता, प्रिया देवी, पुतुल देवी, अहिल्या देवी, धीरज कुमार (जिला सचिव), मुक्ति यादव, मुनमुन कुमार, गब्बर सिंह, सूरज कुमार, सचिन कुमार, इन्द्रजीत दास, कमल दास, कंचन देवी सहित अन्य पदाधिकारी एवं समर्थकों ने भाग लिया। सभी कार्यकताओं ने केक काटकर और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर मुख्यमंत्री का जन्मदिन मनाया तथा उनके नेतृत्व में संगठन को और मजबूत करने का संकल्प लिया।

ऑपरेशन क्लीन वेपन में बड़ी कामयाबी: डीएसपी साक्षी कुमारी की अगुवाई में सपहा में छापा, देसी कट्टा संग युवक धराया

अवैध हथियार रखने वालों को सख्त संदेश, महेशखूंट थाना पुलिस की त्वरित कार्रवाई से मचा हड़कंप

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। जिले में अवैध हथियार और तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत महेशखूंट थाना पुलिस ने शनिवार को बड़ी सफलता हासिल की। सपहा गांव में की गई सटीक और त्वरित छापेमारी में एक युवक को अवैध देसी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार युवक की पहचान सपहा निवासी पंकज कुमार (लगभग 21 वर्ष), पिता अरविंद यादव के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके घर से एक देसी कट्टा बरामद किया गया। इस संबंध में महेशखूंट थाना में कांड संख्या 32/26 दर्ज करते हुए आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी)ए/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। डीएसपी के नेतृत्व में सख्त अभियान गोगरी एसडीपीओ साक्षी कुमारी ने शनिवार रात प्रेस वार्ता में बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में अवैध हथियारों के विरुद्ध विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुप्त सूचना मिली थी कि सपहा गांव में एक युवक अवैध हथियार रखे हुए है और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में भी संलिप्त है। सूचना की पुष्टि होते ही महेशखूंट थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए छापेमारी की और युवक को गिरफ्तार कर लिया। अपराधियों में खौफ, जनता में भरोसा छापेमारी दल में थाना के पुलिस पदाधिकारी उमेश कुमार, प्रमोद कुमार, महिला पुलिस पदाधिकारी कंचन कुमारी सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। कार्रवाई बेहद सुनियोजित और पेशेवर ढंग से की गई। डीएसपी साक्षी कुमारी ने स्पष्ट कहा कि जिले में अवैध हथियार रखने वालों और तस्करों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। लगातार हो रही ऐसी कार्रवाइयों से अपराधियों में खौफ और आम जनता में सुरक्षा का विश्वास मजबूत होता दिख रहा है।

उद्योगों का जाल बिछेगा, रोजगार के खुलेंगे नए द्वार : डॉ दिलीप जायसवाल

अरविंद वर्मा, दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। बिहार सरकार के उद्योग एवं पथ निर्माण मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल का खगड़िया आगमन पर भाजपा जिलाध्यक्ष शत्रुघ्न भगत के नेतृत्व में भाजपा जिला कार्यालय में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इसके बाद पूर्वी ठाठा में समर्पित कार्यकर्ताओं द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। मौके पर उपस्थित मीडिया को संबोधित करते हुए मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की वास्तविक शक्ति उसके निष्ठावान कार्यकर्ता हैं, जिनके परिश्रम और समर्पण से संगठन निरंतर जन-जन तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में बड़े उद्योगपति अपनी-अपनी फैक्ट्रियों की स्थापना के लिए प्रस्ताव दे रहे हैं। हाल ही में बक्सर में जेके सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट प्लांट और कोका-कोला बॉटलिंग प्लांट की स्थापना की गई है, जिसका उद्घाटन उन्होंने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ किया। मंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में बिहार में उद्योगों का व्यापक विस्तार होगा, जिससे सैकड़ों युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार उद्योग, निवेश और रोजगार के माध्यम से विकास की नई संभावनाओं का सृजन करने के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ. जायसवाल ने कहा कि आत्मनिर्भर बिहार के निर्माण की दिशा में उद्योगों का विस्तार एक सशक्त कदम है और सरकार नए बिहार के निर्माण के लिए दृढ़ संकल्पित है।

होली से पहले परबत्ता में प्रशासन का सख्त फ्लैग मार्च, उपद्रवियों को कड़ी चेतावनी

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। रंगों के महापर्व होली को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए परबत्ता में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। रविवार दोपहर बाद परबत्ता बाजार सहित कई संवेदनशील क्षेत्रों में व्यापक पैदल फ्लैग मार्च निकालकर असामाजिक तत्वों को स्पष्ट संदेश दिया गया कि हुड़दंग और अशांति किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फ्लैग मार्च का नेतृत्व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) साक्षी कुमारी ने किया। उनके साथ परबत्ता थाना प्रभारी प्रमोद कुमार, गोगरी थाना पुलिस, मड़ैया थाना पुलिस तथा महेशखूंट थाना प्रभारी अपने-अपने दलबल के साथ मौजूद रहे। पुलिस बल की लंबी कतार जब मुख्य सड़कों से गुजरी तो आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा मजबूत हुआ, वहीं शरारती तत्वों में खौफ का माहौल देखा गया। थाना प्रभारी प्रमोद कुमार ने दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने चेतावनी दी कि त्योहार की आड़ में कानून हाथ में लेने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासनिक टीम ने बाजार क्षेत्र, भीड़भाड़ वाले चौक-चौराहों और संवेदनशील मोहल्लों में पैदल गश्त कर लोगों से शांतिपूर्ण होली मनाने की अपील की। एसडीपीओ साक्षी कुमारी ने स्पष्ट कहा कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों, शराब के नशे में उत्पात मचाने वालों और कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस सक्रियता से क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल सुदृढ़ हुआ है और लोगों में विश्वास जगा है कि होली पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होगा।

देर रात सीएचसी परबत्ता में विधायक का औचक निरीक्षण, स्वास्थ्य कर्मियों में मचा हड़कंप

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। जिले के परबत्ता स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में शनिवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब परबत्ता विधायक बाबूलाल सौर्य ने बिना पूर्व सूचना के औचक निरीक्षण किया। अचानक हुए इस दौरे ने अस्पताल प्रशासन की कार्यशैली और रात्रिकालीन व्यवस्था की वास्तविक स्थिति को उजागर कर दिया। विधायक सौर्य ने अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति की जांच की। उन्होंने ड्यूटी रोस्टर का मिलान कर यह सुनिश्चित किया कि रात्रि पाली में तैनात कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं या नहीं। इसके बाद उन्होंने आपातकालीन कक्ष, प्रसव कक्ष और विभिन्न वार्डों का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने मरीजों और उनके परिजनों से सीधे बातचीत कर इलाज, दवाओं की उपलब्धता और साफ-सफाई की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट कहा कि परबत्ता विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को ह्लबेहतर से बेहतरीनह्व बनाना उनकी प्राथमिकता है। विधायक ने कहा कि चौबीसों घंटे प्रभावी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की प्रतिबद्धता है। मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए संसाधनों की वृद्धि, चिकित्सकों की नियमित उपस्थिति और आधारभूत संरचना को मजबूत करने की दिशा में ठोस योजना बनाई जा रही है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि बहुत जल्द स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक और सरप्राइज स्तर का सुधार देखने को मिलेगा। विधायक के इस औचक निरीक्षण के बाद स्वास्थ्य विभाग में सक्रियता बढ़ गई है और स्थानीय लोगों में उम्मीद जगी है कि परबत्ता में स्वास्थ्य सेवाएं अब नई दिशा में आगे बढ़ेंगी।

न्यायालय के आदेश पर 189.6 लीटर शराब का विनष्टीकरण

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर।न्यायालय के आदेश के आलोक में मोहिउद्दीन नगर थाना परिसर में जब्त शराब का विधिवत विनष्टीकरण किया गया। कुल तीन अलग-अलग कांडों में जब्त 182.6 लीटर विदेशी शराब एवं 7 लीटर देशी शराब, कुल 189.6 लीटर शराब को प्रशासन की मौजूदगी में नष्ट किया गया। विनष्टीकरण की कार्रवाई अंचलाधिकारी सह दंडाधिकारी ब्रजेश कुमार द्विवेदी एवं थानाध्यक्ष सचिन कुमार की उपस्थिति में संपन्न हुई। पूरी प्रक्रिया प्रशासन द्वारा निर्धारित मानकों एवं सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत पारदर्शी तरीके से पूरी की गई। थानाध्यक्ष सचिन कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई न्यायालय के निदेर्शानुसार की गई है। उन्होंने कहा कि मध निषेध कानून के तहत अवैध शराब के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में अंचलाधिकारी सह मैजिस्ट्रेट ब्रजेश कुमार द्विवेदी ने कहा, ह्लन्यायालय के आदेश के अनुपालन में जब्त शराब का विनष्टीकरण किया गया है। राज्य में लागू मध निषेध कानून को प्रभावी ढंग से लागू करना प्रशासन की प्राथमिकता है। अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।ह्व प्रशासन ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार को जड़ से समाप्त करने के लिए नियमित अभियान चलाया जाएगा।

महेशखूंट—गोगरी—परबत्ता सड़क चौड़ीकरण की घोषणा, मंत्री दिलीप जायसवाल ने की योजनाओं की समीक्षा

गोगरी में समीक्षा बैठक, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध कार्य का दिया निर्देश

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने रविवार शाम गोगरी प्रखंड मुख्यालय स्थित ट्रायसेम भवन में पथ निर्माण विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर मंत्री ने महेशखूंट से गोगरी रजिस्ट्री मोड़ होते हुए परबत्ता जाने वाली मुख्य सड़क के चौड़ीकरण की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने बायपास सड़क का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान मंत्री ने प्रखंड एवं आसपास के क्षेत्रों में चल रही सड़क निर्माण, मरम्मत और सुदृढ़ीकरण परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण हों तथा गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए।बैठक में परबत्ता विधायक बाबूलाल शौर्य भी उपस्थित थे। उन्होंने मंत्री के समक्ष क्षेत्र की विभिन्न सड़कों से जुड़ी समस्याओं को रखा और कई महत्वपूर्ण मार्गों के शीघ्र निर्माण की मांग की। विधायक ने कहा कि बेहतर सड़क सुविधा से आम जनता को आवागमन में काफी राहत मिलेगी और क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। मंत्री जायसवाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सुदृढ़ सड़क संपर्क से विकास की रफ्तार तेज होती है। उन्होंने लंबित परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने पर जोर देते हुए निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी और शिकायत मिलने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार क्षेत्र में आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है और सड़क निर्माण के क्षेत्र में व्यापक सुधार जल्द दिखाई देंगे।

गयाजी में अंधेरे पर प्रहार: नगर निगम की पहल से प्रमुख मार्ग जगमगाया

मिर्जा गालिब कॉलेज गोलंबर से एएन कॉलेज रोड तक सुदृढ़ हुई स्ट्रीट लाइट व्यवस्था

दैनिक बिहार पत्रिका

गयाजी। नगर निगम आयुक्त अभिषेक पलासिया के सक्रिय प्रयासों से शहर की एक लंबे समय से उपेक्षित सड़क अब रोशनी से जगमगा उठी है। मिर्जा गालिब कॉलेज गोलंबर से सुधा डेयरी केंद्र रोड होते हुए अनुग्रह नारायण कॉलेज रोड तक का मार्ग पहले अंधेरे में डूबा रहता था, जिससे राहगीरों, छात्रों और स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। गौरतलब है कि हाल ही में उद्यमियों और स्थानीय प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में इस समस्या को गंभीरता से उठाया गया था। बैठक के दौरान डीएम शंशांक शुभांकर के समक्ष सड़क पर अंधेरे और सुरक्षा संबंधी शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके बाद नगर प्रशासन ने त्वरित संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू की। नगर आयुक्त अभिषेक पलासिया के निर्देश पर संबंधित विभाग ने पूरे मार्ग में पर्याप्त संख्या में स्ट्रीट लाइटें लगाईं। कार्य पूर्ण होते ही सड़क प्रकाश से आलोकित हो गई, जिससे अब रात के समय आवागमन अधिक सुरक्षित और सुगम हो गया है। स्थानीय नागरिकों, छात्रों और व्यापारियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए नगर निगम प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। लोगों का कहना है कि यह मार्ग कॉलेज, डेयरी केंद्र और आवासीय क्षेत्रों को जोड़ने वाला मुख्य रास्ता है। पूर्व में रोशनी की कमी के कारण दुर्घटना और असामाजिक गतिविधियों की आशंका बनी रहती थी। प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त होने से न केवल सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है, बल्कि पूरे इलाके की तस्वीर भी बदली हुई नजर आ रही है। नगर प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि शहर के अन्य अंधेरे इलाकों को भी चिन्हित कर चरणबद्ध तरीके से वहां प्रकाश व्यवस्था सुदृढ़ की जाएगी, ताकि गयाजी को सुरक्षित और सुव्यवस्थित शहर बनाया जा सके।

राघोपुर में नाले किनारे नवजात का शव मिलने से सनसनी

दैनिक बिहार पत्रिका

सुपौल। जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक नवजात शिशु का शव नाले के किनारे मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने सुबह करीब साढ़े आठ बजे राघोपुर डाकबंगला के समीप लाल चादर में लिपटा शव देखा, जिसके बाद आसपास भीड़ जुट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नवजात को अस्पतालों में उपयोग होने वाले प्लास्टिक सर्जिकल बेड के साथ फेंका गया था। जब ग्रामीणों ने नजदीक जाकर देखा तो शिशु के हाथ में मेडिकल इंट्राकैथ लगा हुआ था। इससे आशंका जताई जा रही है कि बच्चे का जन्म किसी अस्पताल या चिकित्सकीय देखरेख में हुआ होगा। मृत शिशु लड़का बताया जा रहा है तथा उसकी नाक से खून बहने की बात भी सामने आई है। घटना की सूचना फैलते ही आसपास के गांवों में चर्चा का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने इस अमानवीय कृत्य की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मानवता के नाते ग्रामीणों ने नवजात के शव को सम्मानपूर्वक मिट्टी में दफना दिया। लोगों ने पुलिस प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कर जल्द से जल्द दोषियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

एक नजर

पीरनगरा में अग्निपीड़ितों को मिली राहत, सीओ व जिला परिषद अध्यक्ष ने बांटी सहायता सामग्री

दैनिक बिहार पत्रिका

बेलदौर (खगड़िया)। पीरनगरा पंचायत के वार्ड संख्या 15 में शनिवार को लगी भीषण आग से प्रभावित परिवारों के बीच रविवार को प्रशासन द्वारा राहत सामग्री का वितरण किया गया। सीओ अमित कुमार एवं जिला परिषद अध्यक्ष कृष्णा कुमारी यादव स्वयं घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ितों को सहायता प्रदान की। उल्लेखनीय है कि आगलगी की घटना में लगभग आधा दर्जन परिवारों के घर जलकर राख हो गए थे।घटना में एक दर्जन से अधिक बकरियां जलकर मर गईं, जबकि चार दुधारू गाय बुरी तरह झुलस गई थीं। रविवार को राहत वितरण के दौरान प्रत्येक पीड़ित परिवार को एक सेट बर्तन, कपड़े, 25-25 किलो चावल एवं आलू, 5-5 किलो दाल, प्याज और चीनी, एक-एक बोरा मुढ़ी तथा 5 लीटर सरसों तेल उपलब्ध कराया गया। इसके अतिरिक्त सीओ अमित कुमार ने प्रत्येक परिवार को एक-एक पॉलिथीन शीट भी प्रदान की, ताकि अस्थायी रूप से रहने की व्यवस्था की जा सके। मौके पर पंचायत समिति सदस्य निभा कुमारी, पंचायत समिति प्रतिनिधि ब्रजेश कुमार, शिक्षक नेता ब्रजेश कुमार, विजय यादव, अजीत कुमार, विवेकानंद यादव, सरपंच गजेंद्र राम, प्रिंस कुमार, नितीश कुमार, मनोज शर्मा सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे। प्रशासन ने आश्वस्त किया कि सरकारी प्रावधानों के तहत अन्य सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि पीड़ित परिवारों को जल्द से जल्द सामान्य जीवन में लौटने में मदद मिल सके k

प्रेम प्रसंग में विवाद के बाद विवाहिता ने बागमती में लगाई छलांग, तलाश जारी

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। जिले के मानसी थाना क्षेत्र में एक शादीशुदा महिला द्वारा कथित रूप से बागमती नदी में छलांग लगाकर आत्महत्या का प्रयास करने का मामला सामने आया है। महिला की पहचान 36 वर्षीय अंशु देवी के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार अंशु देवी का किसी युवक से प्रेम संबंध बताया जा रहा है। शनिवार की सुबह इसी संबंध को लेकर विवाद हुआ। आरोप है कि युवक के परिजनों ने महिला के साथ मारपीट की, जिससे वह मानसिक तनाव में आ गई। इसी के बाद रविवार को रेलवे के रिटायर्ड पुल संख्या 51 के पास उसने बागमती नदी में छलांग लगा दी। अंशु देवी चौथम थाना क्षेत्र के हरदिया पंचायत के कमरी दिघरी गांव की निवासी थीं और स्थानीय प्राथमिक विद्यालय में सचिव के पद पर कार्यरत थीं। उनके पति संजय चौधरी मुंबई में काम करते हैं और करीब छह माह से घर से बाहर हैं। बताया जा रहा है कि परिवार मुंबई में रह रहा था, जबकि महिला एक माह पूर्व अपनी बड़ी बेटी की परीक्षा के सिलसिले में गांव आई थीं। महिला के नदी में डूबने से मौत की आशंका जताई जा रही है, हालांकि समाचार लिखे जाने तक शव बरामद नहीं हो सका है। एसडीआरएफ की टीम नदी में तलाश अभियान चला रही है। घटना की सूचना मिलने के बावजूद देर तक पुलिस के मौके पर नहीं पहुंचने से ग्रामीणों और परिजनों में आक्रोश फैल गया। आक्रोशित लोगों ने हरदिया रेलवे ढाला के समीप सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। बाद में मानसी और चौथम थाना की पुलिस पहुंची और समझा-बुझाकर जाम हटवाया। मानसी थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है तथा एसडीआरएफ टीम की मदद से महिला की खोजबीन जारी है k

डायल 112 की टीम पर हमला, पूर्व वार्ड सदस्य गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका, सहरसा

सिमरी बख्तियारपुर। सहरसा बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के हिंदूपुर गांव (वार्ड संख्या 08) में बंधक बनाए गए दो युवकों को छुड़ाने पहुंची डायल 112 की पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। उग्र भीड़ ने पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की करते हुए सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले के मुख्य आरोपी, एक पूर्व वार्ड सदस्य, को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। फोटो खींचने के आरोप में बनाया बंधक प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर करीब 12:52 बजे डायल 112 को सूचना मिली कि हिंदूपुर गांव में दो युवकों को एक घर में बंधक बनाकर रखा गया है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने जांच की तो युवकों की पहचान कहरा प्रखंड के सिरादेय पट्टी निवासी भैरव कुमार और राहुल कुमार के रूप में हुई। ग्रामीणों का आरोप था कि दोनों युवक बिना अनुमति घर में घुसकर मोबाइल से तस्वीरें खींच रहे थे। इसी आरोप में उन्हें एक कमरे में बंद कर दिया गया था। समझाने पर भड़की भीड़ घटनास्थल पर पहले से भारी भीड़ जमा थी। पुलिस टीम ने ग्रामीणों को कानून हाथ में न लेने की हिदायत देते हुए युवकों को मुक्त करने का प्रयास किया। इसी दौरान कुछ ग्रामीण, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं, उग्र हो गए और पुलिसकर्मियों के साथ बदसलूकी व धक्का-मुक्की करने लगे। तनावपूर्ण स्थिति के बावजूद पुलिस ने संयम बरतते हुए दोनों युवकों को सुरक्षित बाहर निकालकर थाने पहुंचाया। वीडियो फुटेज से हुई पहचान घटना के बाद पुलिस ने सख्त रुख अपनाया। स्थानीय चौकीदार की मदद और घटनास्थल के वीडियो फुटेज के आधार पर हमलावरों की पहचान की गई। डायल 112 पर तैनात सअनि मो. आसिफ अनवार खां के बयान पर बख्तियारपुर थाना में 5 नामजद और 10 अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। मुख्य आरोपी गिरफ्तार थानाध्यक्ष अमरनाथ कुमार ने बताया कि पुलिस टीम पर हमला करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने के मुख्य आरोपी निर्मल यादव उर्फ ढालों को गिरफ्तार कर लिया गया है। रविवार को उसे सहरसा न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

ललित नारायण मिश्रा हत्याकांड: सीबीआई से मांगी स्थिति रिपोर्ट

दैनिक बिहार पत्रिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने सीबीआई से 1975 के बम ब्लास्ट में पूर्व रेल मंत्री ललित नारायण मिश्रा की हत्या की दोबारा जांच पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है। सीबीआई ने बताया कि उसे 2014 के ट्रायल कोर्ट के फैसले का समर्थन करने के मौखिक निर्देश मिले हैं। दालत ने उक्त निर्देश तब दिए जब सीबीआई ने अदालत को बताया कि उन्हें मौखिक निर्देश मिले हैं कि एजेंसी 2014 के ट्रायल कोर्ट के फैसले का समर्थन करेगी, जिसमें अपील करने वालों सहित पांच लोगों (जिनमें से

महानगर अध्यक्ष पर छठवीं बार जित दर्ज की राजू वर्णवाल

मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर महानगर अध्यक्ष राजू वर्णवाल ने दी बधाई

दैनिक बिहार पत्रिका गया ७

गयाजी, गेवाल बिगहा स्थित कपूरी सभागार में रविवार को जदयू महानगर अध्यक्ष का चुनाव जदयू के गयाजी जिला नगर निवार्ची पर्यवेक्षक, निवार्ची पदाधिकारी, सैंकड़ो सक्रिय सदस्यों व जदयू के साथियों की मौजूदगी में चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। जदयू महानगर अध्यक्ष पद का चुनाव के लिए गयाजी जिला निवार्ची पर्यवेक्षक नंदकिशोर कुशवाहा व जिला निवार्ची पदाधिकारी जदयू पुष्पेंदू पुष्प की मौजूदगी में निर्वतमान जदयू महानगर अध्यक्ष राजकुमार प्रसाद उर्फ राजू बरनवाल ने नामांकन कियें, बरनवाल जी के पक्ष में उपस्थित सभी 90वे डेलीगेटो ने एक सहमति से इनके पक्ष में हाथ उठाकर इनके समर्थन में खड़े हो गए हैं, इस प्रकार छठी बार राजू बरनवाल निर्विरोध जदयू महानगर अध्यक्ष के पद पर काबिज कर लियें। गयाजी जिला नगर निवार्ची पर्यवेक्षक नंदकिशोर कुशवाहा ने बताया कि जदयू की मजबूती के लिए लगातार छठी बार जीत राजू बरनवाल जी के नाम हुई। हमें आशा नहीं पूर्ण विश्वास है। पिछ्ले कार्यकाल की भांति आगामी वर्षों में भी जदयू की मजबूती इनके बागडोर से गया शहर में शत-प्रतिशत जदयू वोटर बनाने में सफल रहेंगे। दूसरी तरफ जदयू महानगर अध्यक्ष पद के चुनाव में छठी बार राजू बरनवाल ने जीत दर्ज करने के बाद उन्होंने कहा कि सरकार की हर योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने का काम पूर्व की भांति आगे भी करता रहूंगा। छठी बार गयाजी महानगर का निर्विरोध जिला अध्यक्ष (जदयू) चुने जाने पर आप सभी साथियों, वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकताओं को हृदय से आभार है। यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि संगठन के प्रत्येक समर्पित कार्यकर्ता के विश्वास और मेहनत का परिणाम है। आप सभी के सहयोग और मार्गदर्शन से संगठन को और अधिक सशक्त एवं जनोन्मुख बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहूँगा। इस

कार्यक्रम के उपरांत छठी बार निर्विरोध निर्वाचित जदयू महानगर जिलाध्यक्ष राजकुमार प्रसाद उर्फ राजू बरनवाल बिहार के यशस्वी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 75वाँ जन्मदिवस पर केक काटकर मुख्यमंत्री जी के दीघार्यु और स्वस्थ जीवन की कामना की है। बरनवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण, युवाओं को रोजगार, बुजुर्गों को पेंशन और जीविका दीदियों को स्वरोजगार से जोड़ने वाली योजनाओं का उल्लेख करने के साथ ही इन योजनाओं ने राज्य को आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया है। गया महानगर जदयू जिलाध्यक्ष निर्वाचन समारोह में पूर्व मंत्री अभिराम शर्मा अरविंद सिंह, निरज वर्मा ,लालजी प्रसाद , बॉबी खान, अभिमन्यु सिंह बौद्ध,अमरेंद्र कुमार दिवाकर , भारती प्रियदर्शनी दुलारचंद भारती राजकुमार साह , सुनील कुमार अधिवक्ता , गोपाल प्रसाद , मिंता देवी , शिवप्रसाद , बबलू कुमार मिश्रा, अमर चंद्रवंशी , राजकुमार शर्मा प्रभात राउत नीरज वर्मा , ओमप्रकाश , कुमारिका सान्याल , अमरनाथ धोकड़ी , शंभू अग्रवाल , शिव शंकर दास , प्रकाश राम पटवा रोशन ठाकुर , शत्रुघ्न प्रसाद भदानी , लक्ष्मण बरनवाल , सुबोध बरनवाल , दीपक नटराजन , संजू देवी सहित सैकड़ो की संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

गोगरी में होली से पहले पुलिस का फ्लैग मार्च, असामाजिक तत्वों को कड़ी चेतावनी

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। होली के पावन पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से रविवार शाम गोगरी में पुलिस प्रशासन द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च की शुरूआत गोगरी अनुमंडल परिसर से हुई। फ्लैग मार्च गोगरी बाजार से होते हुए महेशखूंट बाजार तक निकाला गया। इस दौरान पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और लोगों से शांति एवं भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील की। फ्लैग मार्च का नेतृत्व गोगरी एसडीपीओ साक्षी कुमारी ने किया। उनके साथ गोगरी सर्किल इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार सिंह, गोगरी थाना अध्यक्ष परशुराम सिंह, महेशखूंट थाना अध्यक्ष मिथिलेश कुमार सहित कई पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र बल के जवान मौजूद रहे। बाजार क्षेत्र में पुलिस बल की मौजूदगी से आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा। अधिकारियों ने संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण किया और असामाजिक तत्वों को कड़ी चेतावनी दी। स्पष्ट किया गया कि त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की हुड़दंग या अशांति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने, आपसी सौहार्द बनाए रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल नजदीकी थाना को देने की अपील की है।

होली को लेकर मोहिउद्दीन नगर थाना में शांति समिति की बैठक, डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर । होली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर मोहिउद्दीन नगर थाना परिसर में शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष सचिन कुमार ने की, जबकि संचालन समाजसेवी भाई रणधीर ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि क्षेत्र में होली आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता के साथ मनाई जाएगी। इस अवसर पर थानाध्यक्ष सचिन कुमार ने कहा कि राज्य सरकार के सख्त निर्देश के अनुसार इस बार होली के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्र (डीजे) का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि हुड़दंग, जबरन रंग लगाने या सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शांति समिति के सदस्यों ने होली एवं

होलिका दहन के अवसर पर क्षेत्र में गश्ती बढ़ाने की मांग की। इस पर थानाध्यक्ष ने अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती एवं नियमित गश्ती का आश्वासन दिया। बैठक को संबोधित करते हुए अंचलाधिकारी ब्रजेश कुमार द्विवेदी ने लोगों से शांति एवं सद्भाव के साथ पर्व मनाने की अपील की। वहीं बीडीओ ने भी प्रशासन का सहयोग करते हुए शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने का आग्रह किया। बैठक में पूर्व विधायक प्रत्याशी राज कपूर सिंह, नंद किशोर कापर, गुड्डू ठाकुर सहित सैकड़ों गणमान्य लोग एवं शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे। प्रशासन ने सभी से मिल-जुलकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में होली मनाने का आह्वान किया।

होली ऐसे मनाये कि दूसरे समुदाय को परेशानी ना हो नन्हे तीरंदाजों ने एक दूसरे को गुलाल लगा मनाया रंगोत्सव

आरचीं फाउंडेशन के अध्यक्ष डा रतन कुमार ने बच्चों को होली की शुभकामनाएं दी और सुरक्षित होली मनाए

दैनिक बिहार पत्रिका

गया जी। खेल के मैदान में जब अनुशासन के साथ-साथ त्योहारों की मस्ती घुल जाती है, तो नजारा और भी खूबसूरत हो जाता है। शहर के खेल परिसर तीरंदाजी ग्राउंड में रविवार को जहां इन नन्हे तीरंदाजों ने न केवल अपने लक्ष्यों पर निशाना साधा , बल्कि प्यार और भाईचारे के गुलाल से एक-दूसरे को रंग कर खेल भावना की एक मिसाल भी पेश की है। वहीं अभिभावकों के पैर छुकर आशीर्वाद लिया है। तीरंदाजी कोच जयप्रकाश ने बताया कि इस 'रंगोत्सव' की खास बातें अनुशासन और आनंद का मेल रहा है। तीरंदाजी जैसा एकाग्रता वाला खेल और होली जैसा चंचल त्योहार, दोनों का साथ मिलना अद्भुत

है। एक-दूसरे को गुलाल लगाना खिलाड़ियों के बीच आपसी तालमेल और दोस्ती को बढ़ाता है।

इससे टीम भावना उत्पन्न होती है। खेल की ट्रेनिंग के बीच ऐसे आयोजन बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और उत्साह के लिए बहुत जरूरी होते हैं। वहीं मगध आरचीं फाउंडेशन के अध्यक्ष डा रतन कुमार ने बच्चों को होली की शुभकामनाएं दी और सुरक्षित होली मनाने की बात कही है। इस दौरान रामपुर थानाध्यक्ष दिनेश बहादुर राय ने बच्चों को संबोधित करते हुये कहा कि होली ऐसे खेले जिससे कि दूसरे समुदाय के लोगों को परेशानी ना हो। अगर किसी की इच्छा रंग खेलने की नहीं हैतो उन्हे रंग ना लगाये। सड़क पर चलते वाहन पर पानी का गुब्बारा या किचड़ ना फेकें।

इस दौरान इस तरह के आयोजन के लिए उन्होनें मगध आरचीं फाउंडेशन के कोषाध्यक्ष अंजय कुमारं सह,रोटरी गया सिटी के अरविंद कुमार सिन्हा, राकेश कुमार, अखिलेश कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, सतीश गुप्ता, अनामिका भारती, पूजा सहित सभी अभिभावकों को धन्यवाद दिया। इस दौरान लोगों ने लजीज व्यंजनों का भी लुप्त उठाया है।

भागलपुर में इंडस्ट्रियल व एआई समिट की तैयारी, पूर्वी भारत का टेक हब बनाने की पहल

विकास शर्मा, दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। होली के बाद मई-जून माह में भागलपुर में एक बड़े इंडस्ट्रियल और एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) समिट के आयोजन की संभावना जताई जा रही है। यह जानकारी रविवार को भागलपुर के भाजपा विधायक रोहित पांडेय ने दी। विधायक ने कहा कि दिल्ली में आयोजित एआई समिट के बाद अब भागलपुर को भी एआई हब के रूप में विकसित करने की दिशा में गंभीर प्रयास शुरू किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि भागलपुर पहले से ही शैक्षणिक और औद्योगिक दृष्टि से मजबूत आधार रखता है। यहां ट्रिपल आईटी, इंजीनियरिंग कॉलेज और एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी जैसी संस्थाएं मौजूद हैं, जो तकनीकी और शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती

हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और उद्योग जगत के संयुक्त प्रयास से भागलपुर को पूर्वी भारत का प्रमुख टेक्नोलॉजी और एआई केंद्र बनाया जा सकता है। स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित हो रहे शहर में आधारभूत संरचना को लगातार मजबूत किया जा रहा है। बेहतर सड़क, बिजली, इंटरनेट कनेक्टिविटी और प्रशासनिक सहयोग के कारण उद्योगपतियों के लिए यह शहर आकर्षक विकल्प बन सकता है। विधायक रोहित पांडेय ने भागलपुर की पहचान रही सिल्क इंडस्ट्री को आधुनिक तकनीक से जोड़ने पर भी जोर दिया। उनका मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नई तकनीकों के उपयोग से सिल्क उद्योग को वैश्विक बाजार तक पहुंचाया जा सकता है। साथ ही फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री को बढ़ावा देने की दिशा में भी कार्य चल रहा है, जिससे स्थानीय किसानों और उद्यमियों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित समिट में देश के बड़े उद्योगपति, टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ और निवेशक शामिल हो सकते हैं। इस मंच के माध्यम से भागलपुर में निवेश के नए अवसर तलाशे जाएंगे और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

इनर व्हील क्लब बोधगया द्वारा धूमधाम से होली मिलन समारोह संपन्न

दैनिक बिहार पत्रिका गया

गया जी।इन्नर व्हील क्लब ऑफ बोधगया ने सम्बोधि रिसोर्ट बोधगया में होली मिलन समारोह का आयोजन किया, जिसमें सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. वीणा पाठक क्लब की अध्यक्ष ने कहा कि यह होली मिलन अनेकता में एकता का प्रतीक है, जो हमें अपने भेदभाव को भूलकर एक साथ आने का संदेश देता है।कार्यक्रम में सदस्यों ने नाच-गाने के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भी आनंद लिया। सभी सदस्यों ने इस अवसर पर बहुत मस्ती की और एक दूसरे के साथ होली की शुभकामनाएं दीं इस अवसर पर क्लब की सेक्रेटरी अर्चना कुमारी, कोषाध्यक्ष गोपा सिन्हा, आई एस ओ रीना प्रसाद,पी पी सारिता वर्मा, वीणा सिन्हा, हर्षा सिन्हा, पूनम गुप्ता, सदस्य प्रेमशीला जी, सारिता श्रीवास्तव, सुमेरा जी,सिया जी सोनी जी उपस्थिति थीं

(चिंतन-मनन)

भगवान का सबसे प्रिय आहार अहंकार

अहंकार शब्द बना है अहं से, जिसका अर्थ है मैं। जब व्यक्ति में यह भावना आ जाती है कि जो हूं सो मैं, मुझसे बड़ा कोई दूसरा नहीं है तभी व्यक्ति का पतन शुरू हो जाता है। द्वापर युग में सहस्त्रबाहु नाम का राजा हुआ। इसे बल का इतना अभिमान हो गया कि शिव से ही युद्ध करने पहुंच गया। भगवान शिव ने सहस्त्रबाहु से कह दिया कि तुम्हारा पतन नजदीक आ गया है। परिणाम यह हुआ कि भगवान श्री कृष्ण से एक युद्ध में सहस्त्रबाहु को पराजित होना पड़ा। रावण विद्वान होने के साथ ही महापराप्रमी था। उसे अपने बल और मायावी विद्या का अहंकार हो गया और उसने सीता का हरण कर लिया। इसका फल रावण को यह मिला कि रावण का वंश सहित सर्वनाश हो गया। अंत काल में उसका सिर भगवान राम के चरणों में पड़ा था। भगवान कहते हैं मेरा सबसे प्रिय आहार अहंकार है अर्थात अहंकारियों का सिर नीचा करना भगवान को सबसे अधिक पसंद है। अहंकारी का सिर किस प्रकार भगवान नीच करते हैं इस संदर्भ में एक कथा है कि, नदी किनारे एक सुन्दर सा फूल खिला। इसने नदी के एक पत्थर को देखकर उसकी हंसी उड़ायी कि, तुम किस प्रकार से नदी में पड़े रहते हो। नदी की धारा तुम्हें दिन रात ठोकर मारती रहती है। मुझे देखो मैं कितना सुन्दर हूं। हवाओं में झूमता रहता हूं। पत्थर फूल की बात को चुपचाप सुनता रहा। पानी में घिसकर पत्थर ने शालिग्राम का रूप ले लिया था। किसी व्यक्ति ने उसे उठाकर अपने पूजा घर में स्थापित किया और उसकी पूजा की। पूजा के समय उस व्यक्ति ने फूल को शालिग्राम के चरणों में रख दिया। फूल ने जब खुद को पत्थर के चरणों में पाया तो उसे एहसास हो गया कि उसे अपने अहंकार की सजा मिली है। पत्थर ने अब भी कुछ नहीं कहा वह फूल की मन ?स्थिति को देखकर मुस्कुराता रहा

सच की हदबंदी करना उचित नहीं मीलार्ड

एनसीईआरटी की कक्षा आठ की एक किताब में न्यायपालिका से जुड़ी विवादित सामग्री पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा आपत्ति जताने के बाद सरकार द्वारा न्यायिक भ्रष्टाचार से संबंधित विवादास्पद अंशों को हटाने का निर्णय लिया है ।गुरुवार सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से संबंधित अध्याय पर कड़ा रुख अपनाते हुए पुस्तक पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है ।सवाल उठता है कि माननीय शीर्ष अदालत ने जिस तरह इस मामले में तत्परता दिखाते हुए तथ्यपरक अध्याय पर गंभीर आपत्ति और कारवाई की है क्या ऐसी ही तत्परता न्यायपालिका की साख पर धब्बा लगाने वाले न्यायिक व्यवस्था से जुड़े भ्रष्टाचारियों के खिलाफ भी अमल में लायी गयी ।आपको बता दें कि शीर्ष अदालत ने बाजार में उपलब्ध सभी प्रतियां जब्त करने और डिजिटल संस्करण हटाने के साथ ही पुस्तक को सार्वजनिक पहुंच से हटाने के आदेश दिए हैं। इतना ही नहीं कोर्ट ने अध्याय तैयार करने वाली कमेटी के सदस्यों का ब्योरा तलब किया हैं। एनसीईआरटी के निदेशक और स्कूल शिक्षा सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा है कि बताएं क्यों न जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। दो सप्ताह में अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले को 11 मार्च को फिर सुनवाई के लिए लगाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह न्यायपालिका को कमजोर करने और उसकी गरिमा को ठोस पहुंचाने की सुनियोजित साजिश है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने माफी मांगते हुए कहा कि इस अध्याय को तैयार करने वाले दो लोग अब कभी भी एनसीईआरटी या किसी भी मंत्रालय में काम नहीं करेंगे तो चीफ जस्टिस सूर्यकांत की टिप्पणी थी कि तब तो ये बहुत आसान हो जाएगा और वो बरी हो जाएंगे। उन्होंने गोली चलाई है, न्यायपालिका आज खून से लथपथ है ।चीफ जस्टिस ने कहा कि पुस्तक की प्रतियां बाजार में हैं। ये एक सोची समझी चाल है। पूरे शिक्षण समुदाय को बताया जाएगा कि भारतीय न्यायपालिका भ्रष्ट है और मामले लंबित हैं। यह स्वीकार्य तथ्य है कि देश की न्यायपालिका केवल एक संवैधानिक संस्था नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। जब इस संस्था की छवि, भूमिका या विश्वसनीयता से जुड़ा कोई प्रश्न उठता है, तो उसका असर पूरे समाज और आने वाली पीढ़ियों की सोच पर पड़ता है। आम नागरिक जब अन्य सभी दरवाजों से निराश हो जाता है, तब वह अदालत की चौखट पर दस्तक देता है। ऐसे में यदि स्कूली पाठ्यपुस्तकों में न्यायपालिका को भ्रष्टाचार जैसी गंभीर चुनौती के संदर्भ में प्रस्तुत किया जाए, तो हो सकता है कि बच्चों का विश्वास न्यायपालिका पर से बचपन में ही डगमगा जाएगा। आपको बता दें कि एनसीईआरटी की कक्षा आठ की किताब में विवादित अध्याय हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका शीर्षक से प्रकाशित हुआ है। पहले के संस्करणों में जहां न्यायालयों की संरचना, कार्यप्रणाली और न्याय तक पहुंच पर ध्यान केंद्रित था, वहीं नये संस्करण में व्यवस्था की चुनौतियों पर भी चर्चा की गयी है। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार शीर्षक खंड में कहा गया है कि विभिन्न स्तरों पर लोगों को भ्रष्टाचार का सामना करना पड़ सकता है और गरीब तथा वंचित वर्गों के लिए इससे न्याय तक पहुंच और कठिन हो सकती है। पुस्तक में यह भी लेख है कि राज्य और केंद्र स्तर पर पारदर्शिता बढ़ाने तथा तकनीक के उपयोग से सुधार के प्रयास किये जा रहे हैं। पुस्तक में लंबित मुकदमों के आंकड़े भी दिये गये हैं। इसमें बताया गया है कि उच्चतम न्यायालय में लगभग 81 हजार मामले लंबित हैं, उच्च न्यायालयों में लगभग 62.40 लाख और जिला तथा अधीनस्थ न्यायालयों में करीब 4.70 करोड़ मामले लंबित हैं। ये आंकड़े न्याय प्रणाली पर बढ़ते बोझ को दर्शाते हैं। पुस्तक में केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली के जरिये प्राप्त शिकायतों का भी अलेख है और बताया गया है कि 2017 से 2021 के बीच 1600 से अधिक शिकायतें दर्ज की गयीं। नयी पुस्तक के न्यायपालिका में भ्रष्टाचार खंड में कहा गया है कि न्यायाधीश एक आचार संहिता से बंधे होते हैं जो न केवल अदालत में उनके व्यवहार को नियंत्रित करती है, बल्कि अदालत के बाहर उनके आचरण को भी नियंत्रित करती है। इस अध्याय में भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई का कथन भी उद्धृत किया गया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि न्यायपालिका के भीतर भ्रष्टाचार और कदाचार की घटनाएं जन विश्वास पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं, किंतु त्वरित और पारदर्शी कार्रवाई से इस विश्वास को पुन स्थापित किया जा सकता है। हाल ही में यह मामला मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष लाकर वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने इस पर गंभीर आपत्ति जताई। सिब्बल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि स्कूली बच्चों को न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ाया जाना न केवल अनुचित है, बल्कि निंदनीय भी है। । मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने तत्काल संज्ञान लिया। आपको बता दें कि लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक तत्व हैं। न्यायपालिका भी इससे अछूती नहीं है। समय-समय पर अदालतों ने स्वयं यह कहा है कि आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है, बशर्ते यह तथ्यात्मक और मर्यादित हो। बेशक न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर एक पाठ्यपुस्तक के आलेख पर न्याय के देवता बुरी तरह बिफर रहें हैं इससे न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का प्रश्न ओझल होने वाला नहीं है। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के अनेक मामले सामने आ चुके हैं और उन पर व्यापक चर्चा भी होती रहती है। हाल में सबसे अधिक चर्चा हुई दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रहे यशवंत वर्मा के भ्रष्टाचार की। उनके आवास से करोड़ों के अधजले नोट बरामद किए गए थे। चूंकि उनके खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हो सकी है, इसलिए वे अपने पद पर बने हुए हैं। यहां गौर तलब है कि भ्रष्टाचार के कारण अन्य अनेक न्यायाधीश भी कठघरे में खड़े हो चुके हैं। इनमें से कई न्यायाधीशों के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू हुई, लेकिन किसी के भी विरुद्ध वह अंजाम तक नहीं पहुंच सकी। इसका यह मतलब नहीं हो सकता कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार है ही नहीं ।एनसीईआरटी की पहले की पुस्तक में भी न्यायपालिका के बारे में उल्लेख था, लेकिन वह न्यायालयों की संरचना और भूमिका तक सीमित था।

होली: आध्यात्मिक चेतना एवं वैज्ञानिक दृष्टि का सांस्कृतिक उत्सव

होली केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन की सजीव अभिव्यक्ति है। यह वह पर्व है जो मनुष्य को उसके भीतर झाँकने का अवसर देता है और याद दिलाता है कि जीवन का वास्तविक सौंदर्य बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि अंतःकरण की निर्मलता में निहित है। समय के प्रवाह में होली के स्वरूप में अनेक परिवर्तन आए हैं। कहीं यह उत्सव उल्लास का माध्यम बना, तो कहीं उच्छृंखलता का पर्याय भी दिखाई देने लगा। छेड़खानी, मादक पदार्थों का सेवन, मारपीट और मयार्दा का उल्लंघन जैसी प्रवृत्तियां इस पावन पर्व की आत्मा के विपरीत हैं। वस्तुतः सही अर्थों में होली का अर्थ शालीनता का अतिक्रमण नहीं, बल्कि आंतरिक विकारों का दहन और संबंधों का पुनर्जीवन है। आवश्यकता इस बात की है कि हम होली के आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आयामों को समझें और समसामयिक संदर्भों में उसे एक नई गरिमा और जीवंतता प्रदान करें। होली का मूल प्रेरक प्रसंग प्रह्लाद और होलिका की कथा से जुड़ा है। यह कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि गहन प्रतीकात्मक संदेश है। प्रह्लाद अटूट श्रद्धा और सत्यनिष्ठा के प्रतीक हैं, जबकि होलिका अहंकार और दुराग्रह का प्रतिनिधित्व करती है। होलिका-दहन हमें यह सिखाता है कि अंततः विजय सत्य की होती है और अहंकार की ज्वाला स्वयं को ही भस्म कर देती है। जब हम होलिका की अग्नि प्रज्वलित करते हैं, तो उसका वास्तविक अर्थ बाहरी लकड़ियों को जलाना नहीं, बल्कि अपने भीतर के क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और अहं को दग्ध करना है। यदि यह आंतरिक शुद्धि नहीं हुई, तो होली केवल एक सामाजिक आयोजन बनकर रह जाएगी। रंगों का आध्यात्मिक अर्थ भी अत्यंत गहरा है। भारतीय संस्कृति में प्रत्येक रंग का अपना भाव है। लाल ऊर्जा और प्रेम का प्रतीक है, पीला ज्ञान और पवित्रता का, हरा जीवन और समृद्धि का, नीला अनंत आकाश और व्यापक चेतना का। जब हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो मानो यह घोषणा करते हैं कि हम भेदभाव की सीमाएँ मिटाकर एकात्मता का अनुभव करेंगे। रंग हमें सिखाते हैं कि विविधता ही जीवन का सौंदर्य है। अलग-अलग रंग मिलकर ही इंद्रधनुष बनाते हैं; उसी प्रकार विभिन्न समुदायों, विचारों और संस्कृतियों का समन्वय ही समाज को समृद्ध बनाता है। यही होली का सांस्कृतिक संदेश है-विविधता में एकता। वैज्ञानिक दृष्टि से भी होली का विशेष महत्व है। यह पर्व फाल्गुन पूर्णिमा को आता है, जब शीत ऋतु का समापन और ग्रीष्म ऋतु का आरंभ होता है। यह संक्रमण काल शरीर की प्रतिरोधक क्षमता के लिए संवेदनशील समय होता है। परंपरागत रूप से होलिका-दहन की अग्नि के समीप बैठना और उसकी ऊष्मा ग्रहण करना स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी माना गया। प्राचीन काल में टेसू के फूलों, चंदन, हल्दी और प्राकृतिक गुलाल से बने रंगों का प्रयोग किया जाता था, जिनमें औषधीय गुण होते थे। वे त्वचा को लाभ पहुँचाते थे और संक्रमण से भी रक्षा करते थे। आज रासायनिक रंगों के दुष्प्रभावों ने इस परंपरा को चुनौती दी है। अतः आवश्यक है कि हम प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल रंगों की ओर लौटें। विकसित भारत की संकल्पना में स्वच्छता, हरित जीवनशैली और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का जो आग्रह है, वह होली के पारंपरिक स्वरूप से पूर्णतः सामंजस्य रखता है। सांस्कृतिक दृष्टि से होली भारतीय समाज की सामूहिक चेतना का उत्सव है। यह वह अवसर है जब सामाजिक भेदभाव की दीवारें कमजोर पड़ती हैं और अपनत्व का रंग गहरा होता है। गाँवों में फाग-गीतों की गूंज, चौपालों पर हास-परिहास, नगरों में सांस्कृतिक आयोजन-ये सब सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करते हैं। होली का एक स्वरूप वह भी है, जब लोग पुराने मनमुटाव भुलाकर गले मिलते हैं और संबंधों को नया आयाम देते हैं। यह पर्व संवाद और समरसता का सेतु बन सकता है, बशर्ते हम इसकी मूल भावना को समझें। आज के वैश्वीकरण के युग में नई पीढ़ी आधुनिकता को प्रगति का पर्याय मानती है। आधुनिकता स्वागतयोग्य है, किंतु यदि वह मूल्य-विस्मृति का कारण बन जाए, तो समाज का संतुलन बिगड़ सकता है। ॒बुरा न मानो होली है॒ का अर्थ किसी की गरिमा को ठेस पहुँचाना नहीं, बल्कि हँसी-खुशी के साथ आत्मीयता बाँटना है। महिलाओं के सम्मान, सार्वजनिक मयार्दा और सामाजिक उत्तरदायित्व का ध्यान रखते हुए होली मनाना ही सच्ची भारतीयता है। यदि उत्सव के नाम पर उच्छृंखलता बढ़े, तो वह हमारे सांस्कृतिक आत्मसम्मान के विपरीत है। नई पीढ़ी को यह समझाना होगा कि आनंद और अनुशासन एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सांस्कृतिक आत्मविश्वास की नई यात्रा पर अग्रसर है। ॒नया भारत॒ और ॒विकसित भारत॒ की परिकल्पना केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण से भी जुड़ी है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय परंपराओं, योग, आयुर्वेद और त्योहारों की बढ़ती प्रतिष्ठा इस परिवर्तन का संकेत है। होली जैसे पर्व विश्वभर में भारतीय संस्कृति की पहचान बन रहे हैं। यदि इन्हें शालीनता, पर्यावरण-संवेदनशीलता और आध्यात्मिक चेतना के साथ प्रस्तुत किया जाए, तो यह भारत की सॉफ्ट पावर को और सुदृढ़ कर सकते हैं।

यह समय है जब हम अपने त्योहारों को केवल मनोरंजन तक सीमित न रखकर उन्हें सांस्कृतिक कूटनीति और सामाजिक जागरण का माध्यम बनाएं। नई विश्व-व्यवस्था में जहाँ तकनीकी प्रगति के साथ मानसिक तनाव और सामाजिक दूरी भी बढ़ रही है, वहाँ होली जैसे उत्सव मानवीय संबंधों को पुनर्स्थापित करने का अवसर देते हैं। डिजिटल युग में लोग आभासी संवाद में अधिक और प्रत्यक्ष संवाद में कम समय दे रहे हैं। होली हमें प्रत्यक्ष मिलन, स्नेह-स्पर्श और सामूहिक उल्लास की अनुभूति कराती है। यह सामाजिक एकाकीपन को दूर करने का भी माध्यम बन सकती है। यदि हम इस अवसर पर समाज के वंचित वर्गों, वृद्धजनों और जरूरतमंदों के साथ रंग साझा करें, तो यह उत्सव करुणा और सेवा की भावना को भी सशक्त करेगा। आवश्यकता है कि होली को नशामुक्त, पर्यावरण-अनुकूल और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाने का सामूहिक संकल्प लिया जाए। विद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों के माध्यम से होली के मूल संदेश को प्रचारित किया जा सकता है। फाग-गीत, लोकनृत्य, कवि-सम्मेलन और सामूहिक प्रार्थना जैसे आयोजनों से इस पर्व को नई दिशा दी जा सकती है। जब होली केवल रंगों तक सीमित न रहकर विचारों का उत्सव बनेगी, तभी उसका वास्तविक उद्देश्य पूर्ण होगा। निश्चित तौर पर होली हमें यह सिखाती है कि बाहरी रंग क्षणिक हैं, किंतु आंतरिक प्रेम और सद्भाव शाश्वत हैं। यदि हम अपने भीतर के अहंकार को जला दें और हृदय में करुणा का रंग भर दें, तो हर दिन होली बन सकता है। विकसित भारत का स्वप्न तभी साकार होगा जब आर्थिक उन्नति के साथ सांस्कृतिक चेतना भी समानांतर चले। आइए, इस होली पर हम यह संकल्प लें कि मयार्दा का उल्लंघन नहीं, मयार्दा का उत्सव मनाएँगे; विभाजन नहीं, विश्वास का रंग फैलाएँगे; और उच्छृंखलता नहीं, उत्साह और सद्भाव का संदेश देंगे। जब होली का रंग हमारे चरित्र और आचरण में उतर जाएगा, तभी यह पर्व वास्तव में सार्थक और प्रेरणादायी बन सकेगा।

कहीं चिता की राख तो कहीं फूलों से खेली जाती है होली !

समूचे देश समेत विशेषकर उत्तर भारत में मनाया जाने वाला होली पर्व आस्था विश्वास ऋतु परिवर्तन और सामाजिक एकता का लोकपर्व है। होली के दिन समूचा समाज सवर्ण असवर्ण गरीब अमीर सबल निर्बल राजा प्रजा ऊंच नीच के दायरे से बाहर आकर एक दूसरे को रंग गुलाल लगा कर सामाजिक समरसता व सौहार्द का सूत्रपात करता है यह लोकपर्व इतना सजीव व सामाजिक वैज्ञानिक आधार से जुड़ा है कि इस की प्रासंगिकता कभी खत्म नहीं हो सकती है। इस लोकपर्व के संबंध में प्रहलाद और होलिका की कथा सबसे ज्यादा प्रचलित है। पुराने समय में हिरण्यकश्यपु का पुत्र प्रहलाद विष्णु जी का परम भक्त था। ये बात हिरण्यकश्यपु को पसंद नहीं थी। इस वजह से वह प्रहलाद को मारना चाहता था। असुर राज हिरण्यकश्यपु ने बहुत कोशिश की, लेकिन प्रहलाद को मार नहीं सका। तब असुरराज की बहन होलिका प्रहलाद को लेकर आग में बैठ गई। होलिका को आग में न जलना का वरदान मिला हुआ था, लेकिन भगवान विष्णु जी की कृपा से होलिका जल गई और प्रहलाद बच गया। तभी से सत्य और धर्म की जीत के रूप में होली दहन का पर्व मनाया जाता है। ।युगों पहले जिस तरह भक्त प्रहलाद के सकुशल बच जाने पर लोगोंसत ने रंग गुलाल लगा कर खुशी मनाई थी आज भी उसी तरह खुशी मनाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। होली के गीतों में वैसे भी गालियां पिरोई होती हैं. शब्दों का प्रयोग कुछ इस प्रकार किया गया होता है कि लोग उसे सुन कर मस्ती करते हैं और उन्हें भीतर तक गुदगुदी होती है. वाराणसी, मिथिलांचल, कुमाऊं, राजस्थान, हरियाणा में होली पर गाली की अनोखी परंररा है। होली एक ऐसा त्योहार है, जो रंगों की मस्ती के साथ-साथ गालियों और गुदगुदाते गीतों के लिए भी खूब जाना जाता है. इसीलिए इस त्योहार को सबसे अनूठा कहते हैं. साल भर लोगों को इसका इंतजार रहता है. लोग गालियों और गीतों के जरिए अपनी भड़ास निकालते हैं. जैसा प्रदेश, वैसे गीत और वैसी ही वहां की गालियां. बहुरंगी होली की ये छटा दुनिया भर में निराली है। काशी की परंपराएं इसलिए अनूठी हैं क्योंकि यहां होली पर गालियों का भी अपना एक अलग संस्कार देखने को मिलता है. दूसरे शहरों में गाली देने पर मार हो जाए, लेकिन यहां होली पर गालियां मनभावन लगती हैं। पंजाब में सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा शुरू की गई यह होलीवीर रस से भरी होती है। इसमें निहंग सिख पारंपरिक पोशाक पहनकर तलवारबाजी और घुड़सवारी (गतका) का प्रदर्शन करते हैं।

पश्चिमी बंगाल व ओडिशा में यहाँ होली को डोल जात्रा के रूप में मनाया जाता हैजिसमें राधा-कृष्ण की मूर्तियों को झूलों (डोल) पर रखकर जुलूस निकाला जाता है और रंगों से पूजा की जाती है। श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा से करीब 50 किमी दूर बरसाना की होली बहुत खास होती है। बरसाना में कई दिनों तक लट्ठमार होली खेली जाती है। फाल्गुन पूर्णिमा से पहले ही लोग यहां होली खेलना शुरू कर देते हैं। पास के नंदगांव के पुरुष बरसाना आते हैं और बरसाना के पुरुष नंदगांव जाते हैं। इन गांवों की महिलाएं पुरुषों को लट्ठ मारती हैं और पुरुष ढाल से बचने की कोशिश करते हैं। ये होली देखने देश-विदेश से लाखों लोग यहां आते हैं। मान्यता है कि मथुरा-वृंदावन में श्रीकृष्ण ने राधा और गोपियों के साथ होली खेली थी। इसी वजह से इन जगहों पर होली की अच्छी खासी धूम होती है। मथुरा-वृंदावन में श्रीकृष्ण के भक्त बड़ी संख्या में होली खेलने पहुंचते हैं। यहां के मंदिरों में फूलों से होली खेली जाती है ।बांके बिहारी मंदिर में फूलों की होली अवर्णनीय है। बरसाना के राधा रानी मंदिर में लड्डू मार होली खेली जाती हैजहाँ एक-दूसरे पर लड्डू फेंके जाते हैं और उन्हें प्रसाद के रूप में खाया जाता है। वाराणसी(काशी) के मणिकर्णिका घाट पर खेली जाने वाली होली विश्व प्रसिद्ध है। यहां शमशान की राख से होली खेली जाती है। मान्यता है कि शिव जी ने यहां अपने गणों के साथ चिता की राख से होली खेली थी। इसी मान्यता की वजह से आज भी शिव भक्त यहां मसाने की होली खेलते है। देश दुनिया में यह एकमात्र ऐसी होली है जिसमें चिता भस्म को रंग गुलाल की तरह इस्तेमाल करते हुए होली खेलते हैं। एक ऐसी भी होली है जहां जलती होली की लपटों के बीच पंडा नंगे पांव निकल जाता है लेकिन खरोंच तक नहीं आती है। मथुरा से करीब 50 किमी दूर एक गांव है फालैन। इसे प्रहलाद का गांव भी कहते हैं। फालैन गांव की होली की खास बात ये है कि यहां जलती हुई होली के बीच में से एक पंडा चलकर गुजरता है। होली ऊंची-ऊंची लपटों से निकलने के बाद भी पंडे का बाल तक नहीं जलता है। ये चमत्कार देखने के लिए देश-दुनिया से काफी लोग यहां पहुंचते हैं। उत्तराखंड में होली संगीत और गायन के साथ मनाई जाती हैजिसे बैठकी होली कहा जाता हैजहाँ शास्त्रीय और पारंपरिक गीतों का गायन होता है। केरल के कोंकणी और कुडुंबी समुदाय के लोग इस दिन रंगों के बजाय हल्दी (मंजल) मिले पानी का उपयोग करते हैंजो शुद्धिकरण का प्रतीक है महाराष्ट्र और गोवा में यहाँ होली को रंग पंचमी या शिग्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है जो बसंत पंचमी से शुरू होता है कर्नाटक के हम्पी की होली भी दुनियाभर में प्रसिद्ध है। ये जगह यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज में शामिल है। इस जगह का संबंध त्रेतायुग की वानर सेना से है। मान्यता है कि सुग्रीव अपनी वानर सेना के साथ इसी क्षेत्र में रहते थे। यहां होली पर बड़ा आयोजन होता है। हजारों लोग यहां होली खेलने आते हैं। राजस्थान की होली उदयपुर और पुष्कर में आज भी शाही तौर तरीकों से होली खेली जाती है। इस मौके पर राजपुताना आन बान शान देखने को मिलती है। कई दूसरे एशियाई देशों में भी होली के प्रतिरूप रंगों का पर्व मनाया जाता है लेकिन भारतीय होली यकीनन आज भी अनूठी मस्ती से भरी है यह समाज को एक सूत्र में पिरो कर उमंग व उत्साह का संचार करती है।

नया बीज बिल- 2026: किसानों के हक और बीज की क्वालिटी के लिए नई दिशा

भारत दुनिया के खेती-बाड़ी वाले देशों में से एक है। यह कहना गलत नहीं होगा कि देश की एक बड़ी आबादी अभी भी सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से खेती पर निर्भर है। अनुकूल मौसम, उपजाऊ मिट्टी और अलग-अलग भौगोलिक हालात कई तरह की फसलों की खेती के लिए सही हैं। गेहूं, चावल, गन्ना, दालें, तिलहन, कपास और मसाले जैसी फसलें न सिर्फ देश की खाने की जरूरतों को पूरा करती हैं, बल्कि एक्सपोर्ट के जरिए विदेशी मुद्रा कमाने में भी अहम भूमिका निभाती हैं। खेती-बाड़ी का सेक्टर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और लाखों लोगों को रोजगार देता है। इसके अलावा, पशुपालन, डेयरी फार्मिंग, मछली पालन और बागवानी जैसे सहायक सेक्टर किसानों की इनकम बढ़ाने में मददगार साबित हो रहे हैं। समय-समय पर लागू की गई सरकारी योजनाएं और मॉडर्न टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल खेती को ज्यादा प्रोडक्टिव, फायदेमंद और टिकाऊ बनाने में मदद कर रहा है। इस तरह, खेती न सिर्फ रोजी-रोटी का जरिया है, बल्कि भारत के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक ताने-बाने का एक अहम हिस्सा भी है। इस संदर्भ में, भारत सरकार एक नया सीड्स बिल, 2026 लाने की तैयारी कर रही है, जिसका मकसद एग्रीकल्चर सेक्टर में बड़े सुधार लाना है। यह पुराने सीड्स एक्ट, 1966 की जगह लेगा। अभी, सीड इंडस्ट्री में टेक्नोलॉजी में तरक्की और मल्टीनेशनल कंपनियों के बढ़ते असर की वजह से, पुराना कानून काफी नहीं माना जा रहा है। सरकार का मकसद किसानों को मजबूत कानूनी सुरक्षा देना, सीड मार्केट में ट्रांसपेरेंसी लाना और कॉर्पोरेट कंपनियों की मनमानी पर असरदार कंट्रोल करना है। कृषि मंत्रालय ने किसान संगठनों, सीड इंडस्ट्री और दूसरे स्टेकहोल्डर्स से इनपुट लेने के बाद इस बिल का ड्राफ्ट तैयार किया है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद, इसे पार्लियामेंट के मौजूदा सेशन में पेश करने और जल्द से जल्द पास करने का प्लान है। नए कानून का बैकग्राउंड 2015-16 के बीटी कॉटन विवाद से जुड़ा है। जैसा कि पाठक जानते हैं, रॉयल्टी को लेकर अमेरिकी कंपनी मोनसेंटो और भारतीय सीड कंपनियों के बीच एक गंभीर विवाद खड़ा हो गया था। मोनसेंटो अपनी टेक्नोलॉजी के लिए बहुत ज्यादा रॉयल्टी ले रही थी, जिससे सीड की कीमतें बढ़ गईं और किसानों पर एक्स्ट्रा फाइनेंशियल बोझ पड़ा। भारत सरकार ने बीटी कॉटन के बीजों के लिए एक सीलिंग प्राइस और रॉयल्टी में कमी का ऑर्डर दिया। कंपनी ने इस फैसले को दिल्ली हाई कोर्ट में चैलेंज किया, और मामला सुप्रीम कोर्ट चला गया। इस कानूनी लड़ाई से पता चला कि पुराना कानून मल्टीनेशनल कंपनियों की पावर को कंट्रोल करने और बीज की कीमतों और क्वालिटी पर सरकार के अधिकार को साफ करने में कमजोर था। असल में, इसी स्थिति ने नए सीड्स बिल का आधार बनाया। प्रस्तावित सीड्स बिल 2026 सभी बीजों का सरकारी रजिस्ट्रेशन जरूरी बनाता है, और बिना सरकारी मंजूरी के कोई भी बीज बाजार में नहीं बेचा जाएगा।

पुराने कानून के तहत, कंपनियां अपने बीजों को असली लेबल वाली कैटेगरी में बिना किसी सख्त रजिस्ट्रेशन जरूरत के बेच सकती थीं, लेकिन अब यह तरीका खत्म कर दिया जाएगा। नया कानून बीजों के लिए साफ क्वालिटी स्टैंडर्ड तय करेगा। अगर कोई बीज खराब निकलता है और फसलों को नुकसान पहुंचाता है, तो संबंधित कंपनी को किसानों को हजार्ना देना होगा। यह कहना सही होगा कि इससे किसानों को सीधे कानूनी अधिकार मिलेंगे। इसके अलावा, बिल में एक डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम और एक नेशनल सीड रजिस्टर का भी प्रावधान है। इससे यह पक्का होगा कि हर बीज की वैरायटी, बनाने वाले और मालिक की जानकारी सरकारी रिकॉर्ड में सुरक्षित रहे। इससे नकली और घटिया बीजों की बिक्री रुकेगी और बीज की चोरी और गुमराह करने वाले दावों पर कंट्रोल होगा। बिना रजिस्टर्ड बीज बेचने, क्वालिटी स्टैंडर्ड का उल्लंघन करने या गलत जानकारी देने वाली कंपनियों के लिए सख्त सजा और भारी जुमार्ने का भी प्रावधान किया गया है। बीज की कीमत और क्वालिटी कंट्रोल में सरकार की भूमिका को और मजबूत और साफ किया जाएगा, जिससे बड़ी कंपनियाँ मनमानी रॉयल्टी या बहुत ज्यादा कीमत वसूल नहीं कर पाएँगी। असल में, सरकार ने यह भी साफ किया है कि किसानों को पारंपरिक बीजों के लिए बिना किसी रजिस्ट्रेशन की जरूरत के अपने बीज बदलने और बेचने की आजादी बनी रहेगी। कुल मिलाकर, नया सीड्स बिल 2026 एक जरूरी और बड़ा कानूनी सुधार है जो किसानों को मुआवजा, बीज बाजार में ट्रांसपेरेंसी, क्वालिटी एश्योरेंस और कॉर्पोरेट कंट्रोल पर रोक का अधिकार पक्का करता है। अच्छी खबर यह है कि नकली बीजों की वजह से पैसे का नुकसान और मानसिक तनाव झेल रहे किसानों को राहत देने के लिए कानूनी नियमों को मजबूत किया जा रहा है। ध्यान देने वाली बात यह है कि प्रस्तावित बिल में नकली बीज बेचने पर 30 लाख रुपये तक का जुमार्ना और तीन साल तक की जेल का प्रावधान है। इसके अलावा, सरकार बीजों की कीमत और क्वालिटी को रेगुलेट करेगी, जिससे कंपनियां किसानों से मनमानी कीमतें नहीं वसूल पाएंगी। नकली बीजों के साथ-साथ नकली खाद की समस्या भी लंबे समय से है। बीज बनाने वालों की तरफ से दिए जाने वाले बीजों की क्वालिटी खराब होने से यह समस्या और बढ़ गई है। मौजूद डेटा के मुताबिक, पिछले पांच सालों में देश में 250,000 से ज्यादा किसान नकली बीजों की वजह से परेशान हुए हैं। फसल खराब होने से मेंटल स्ट्रेस बढ़ा है और सुसाइड की खबरें भी आई हैं। असल में, एक साल में फसल खराब होने का खामियाजा किसानों को अगले चार से पांच साल तक भुगतना पड़ता है। कर्ज का बोझ भी बढ़ जाता है। देश में शायद ही कोई ऐसा इलाका हो जहां नकली खाद और बीजों का धंधा न हो। जैसा कि एक जाने-माने हिंदी अखबार ने लिखा, सरकार ने लोकसभा में माना है कि साल 2024-25 में टेस्ट किए गए 2.5 लाख सैंपल में से 32,525 बीज नकली पाए गए। मार्केट में कितनी बड़ी मात्रा में नकली खाद और बीज पहुंच रहे हैं, इसका सही डेटा मौजूद नहीं है। किसानों को तब पता चलता है जब उनकी फसल बर्बाद हो जाती है। हिंदी अखबार यह भी साफ-साफ कहता है, चाहे महाराष्ट्र में नकली कपास के बीजों से प्रभावित किसानों का मामला हो या आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान और मध्य प्रदेश में छापे के दौरान जब्त किए गए नकली खाद और बीजों का मामला हो-कमजोर कानून व्यवस्था हर जगह दोषियों को बचा रही है। हर साल हजारों परिवार इस समस्या से प्रभावित होते हैं, क्योंकि फसल खराब होने से कर्ज बढ़ जाता है और परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद हो जाते हैं। यह भी चिंता की बात है कि हाल के सालों में छापे कम हुए हैं, और दोषियों को सजा भी काफी कम मिली है। असरदार मॉनिटरिंग की कमी के कारण, संबंधित एजेंसियां अक्सर लापरवाही के लिए किसानों को ही दोषी ठहराती हैं। यह बात कि नकली बीजों के बारे में सिर्फ एक-तिहाई शिकायतों पर ही कार्रवाई हुई है, इस स्थिति का सबूत है ।आखिरकार, बुनियादी सवाल किसानों की सुरक्षा और भरोसे का है। सिर्फ कानून बनाना काफी नहीं है, उन्हें सख्ती से लागू करना भी जरूरी है। किसानों का भरोसा तभी वापस लाया जा सकता है जब एक पारदर्शी जांच सिस्टम, तुरंत मुआवजा देने का सिस्टम और दोषियों के खिलाफ समय पर कार्रवाई हो। नहीं तो, एग्रीकल्चर सेक्टर और किसानों के सामने जो संकट है, उसे हल करना मुश्किल होगा।

हिमाचल में कैसा रहेगा आज का मौसम तापमान बढ़ने की उम्मीद

पहाड़ों पर भी महसूस होगी गर्मी

शिमला, एजेंसी। मौसम विज्ञान केंद्र, शिमला ने सात मार्च तक आसमान साफ रहने की संभावना जताई है। इससे तापमान में वृद्धि की संभावना है। हिमाचल प्रदेश में शनिवार को तेज धूप के कारण तापमान में वृद्धि दर्ज की गई। तापमान बढ़ने से मैदानों के साथ पहाड़ों में भी गर्मी महसूस की जाने लगी है। नाहन में वर्ष 2024 के बाद शनिवार को फरवरी का सबसे गर्म दिन रहा। नाहन में दिन के तापमान में 2.4 डिग्री की वृद्धि के साथ तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 2025 में 24.8 व 2024 में 22.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा था। दिन का तापमान सामान्य से 4.1 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। कांगड़ा में सामान्य से 7.2 डिग्री सेल्सियस अधिक तापमान दर्ज किया गया। फरवरी में सामान्य से 85 से 90 प्रतिशत कम वर्षा होने के कारण कृषि और बागवानी पर असर हुआ है। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान ऊना में 30.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। सेऊबाग में 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से तेज हवाएं चलीं। इन दिनों न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज किया जा रहा है। प्रदेश में सबसे कम तापमान ताबो में माइनस 2.7, कुकुमसेरी में माइनस 1.9 डिग्री सेल्सियस रहा।

यूपी में चढ़ने लगा पारा, लखनऊ–बनारस में होली तक चलेंगी आंधी जैसी तेज हवाएं!

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश के कई जिलों में अभी से ही तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया है। रात सर्द हैं, लेकिन दिन में तेज धूप खिल रही है। मार्च की शुरुआत से होली के दिन तक दिन के समय 20-30 किमी/घंटा की गति से पृथ्वी की सतह पर तेज उत्तरी-पश्चिमी हवाएं चलने की संभावना हैं। हालांकि, इनसे दिन के अधिकतम तापमान पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा। आगामी एक सप्ताह के दौरान प्रदेश में कोई सक्रिय मौसम तंत्र नहीं होने के कारण इस सप्ताह के अंत तक अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान में 2-3 सेल्सियस की क्रमिक बढ़ोतरी होने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के लखनऊ स्थित आंचलिक कार्यालय के वरिष्ठ विज्ञानी डॉक्टर अतुल कुमार सिंह ने बताया इसके चलते तापमान सामान्य से अधिक बना रहेगा। इस पछुआ हवा की तेज गति का प्रभाव ज्यादातर पश्चिमी हिस्से में ही रह सकता है। बात आज के मौसम की करें तो 1 मार्च को लखनऊ, कानपुर, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या, प्रयागराज, आगरा, हाथरस, मुरादाबाद, सहारनपुर, मेरठ, शामली, बागपत, बनारस और पूर्वी उत्तर प्रदेश में दो दिनों तक सोमवार और मंगलवार को हवा तेज रह सकती है। बुधवार से इसकी गति कम होना शुरू हो जाएगी और चौथे दिन मंद हो जाएगी। इस दौरान अधिकतम तापमान पर इस हवा की गति का कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा। यूपी के अधिकांश जिलों में रविवार को आसमान साफ रहने की संभावना है।

उपभोक्ताओं का 50 हजार करोड़ रुपये बकाया, दरें घटाएं; बिजली नियामक आयोग की सुनवाई में होगा स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने का विरोध

लखनऊ, एजेंसी। विद्युत नियामक आयोग बिजली कंपनियों की वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) व बिजली दरों पर सुनवाई के क्रम में नौ मार्च से विद्युत वितरण कंपनियों की सुनवाई शुरू करेगा। इस सुनवाई में उपभोक्ताओं की तरफ से स्मार्ट प्रीपेड मीटर का मुद्दा जोरशोर से उठाने की तैयारी राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने की है। उपभोक्ताओं की सहमति के बिना मीटर को प्रीपेड मोड पर किए जाने का विरोध होगा। उपभोक्ता परिषद के

अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा है कि बिजली उपभोक्ताओं का लगभग 50 हजार करोड़ रुपये बिजली कंपनियों पर निकल रहा है। ऐसे में बिजली दरें कम किए जाने की मांग सुनवाई में की जाएगी। टेंडर के माध्यम से 27,342 करोड़ रुपये की लागत से खरीदे जा रहे स्मार्ट प्री पेड मीटर का भार उपभोक्ताओं पर डालने का पुरजोर विरोध होगा। उपभोक्ताओं की सहमति के बिना स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा रहे हैं, जो कि विद्युत अधिनियम-2003 की धाराओं का उल्लंघन है।

गाजियाबाद में फिर गरजा बुलडोजर, अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त; जीडीए की कार्रवाई से मचा हड़कंप

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम की ओर से अवैध निर्माण और विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध अभियान जारी है। इसी क्रम में उपाध्यक्ष के निर्देशों के अनुपालन में शुक्रवार, 28 फरवरी 2026 को डासना क्षेत्र में ध्वस्तीकरण एवं सीलिंग की कार्रवाई की गई। प्रभारी प्रवर्तन जोन तीन के नेतृत्व में खसरा संख्या 1380 ग्राम कल्लू गढ़ी, खसरा संख्या 1410 ग्राम डासना तथा खसरा संख्या 1348 एवं 1386 ग्राम कल्लू गढ़ी में अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनियों को ध्वस्त किया गया। इन्हें सतीश, यासीन, रविन्द्र चौधरी, रोहित चौधरी और ओमवीर चौधरी द्वारा विकसित किया जा रहा था। वहीं, ध्वस्तीकरण एवं सील बंदी की कार्रवाई के दौरान स्थानीय निर्माणकर्ताओं द्वारा विरोध किया गया। प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम के साथ पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को पूरा किया। इस मौके पर जीडीए के सहायक अभियंता, अवर अभियंता और सुपरवाइजर उपस्थित रहे। जीडीए उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल ने बताया कि अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। बिना स्वीकृति किए गए किसी भी निर्माण पर ध्वस्तीकरण कार्रवाई जारी रहेगी।

महिला से रेप करके चौथी मंजिल से फेंका, मौत

आरोपी गिरफ्तार, विक्टिम से शादी का झांसा देकर रेप करने वाला भी पकड़ा गया

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा में 23 साल की युवती के साथ रेप करके उसे चौथी मंजिल से फेंक कर मारने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा पुलिस ने इसी युवती को शादी का झांसा देकर रेप करने वाले आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया हैं। दोनों घटनाएं 22 फरवरी की हैं, 23 फरवरी को युवती का शव मिला था। शनिवार को पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। पहली घटना- प्रेमी ने शादी के लिए मंदिर बुलाया, रेप किया जगतसिंहपुर के पुलिस अधीक्षक (स्क्र) अंकित कुमार वर्मा ने बताया कि 22 फरवरी से युवती सुबह 10 बजे घर से लापता थी। वह अपने प्रेमी के साथ भागकर शादी करने के लिए घर से निकली थी। उसके प्रेमी सोमनाथ ओझा ने शादी का झूठा वादा करके उसे मंदिर बुलाया, लेकिन बाद में एक सुनसान जगह ले जाकर उसके साथ रेप किया। इसके बाद उसने युवती को राहामा बस स्टैंड पर लावारिस छोड़ दिया। दूसरी घटना- अनजान शख्स ने मदद के नाम पर रूम ले जाकर रेप किया।

इसी महीने दौड़ेगी देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर मार्च में पटरियों पर होगी। इसका रूट अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन जानकारों का कहना है कि यह ट्रेन दिल्ली-हावड़ा, दिल्ली-मुंबई, चेन्नई-बेंगलुरु-मुंबई में से किसी एक रूट पर चलाई जा सकती है। रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2026 में कुल 12 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों को चलाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रत्येक ट्रेन पहले की ट्रेन से तकनीक व सुविधाओं के मामले में उन्नत होगी। वंदे भारत स्लीपर को भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) ने इस तरह डिजाइन किया है कि रेल यात्रियों को सफर के दौरान विमान-पांच सितारा होटल जैसा अनुभव होगा। ट्रेन के कोच के गलियारों में स्मार्ट सेंसर लाइट्स लगी हैं, जो केवल यात्री के चलने पर जलेंगी। पहली बार ट्रेन में बोल्स्टरलेस बोगियों (कोच) का इस्तेमाल हुआ है, जो 160 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार पर भी चाय का कप टेबल से नहीं गिरने देंगी। हवाई जहाज की तर्ज पर इसमें बायो-वैक्यूम टॉयलेट्स और टच-फ्री नल दिए गए हैं। नई डिजाइन की उन्नत वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में स्मार्ट सेंसर लाइट्स, वैक्यूम टॉयलेट्स, बोल्स्टरलेस कोच और ब्रांडेड कैटरिंग की खूबियां होंगी।

वंदे भारत स्लीपर में भी वीआईपी कोटा

आपको बता दें कि रेलवे बोर्ड ने हाल ही में अमृत

भारत और वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के नियमों में एक बड़ा बदलाव किया है। नौ फरवरी को जारी नए आदेश में उक्त प्रीमियम ट्रेनों में भी इमरजेंसी कोटा (वाईआईपी कोटा) की सुविधा बहाल कर दी गई है। रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शुरुआत में (जनवरी 2026 के नियमों के अनुसार) इन ट्रेनों में केवल लेडीज, सीनियर सिटीजन और दिव्यांग कोटा ही रखा गया था ताकि टिकट प्रणाली पारदर्शी रहे। लेकिन, यात्रियों की भारी मांग और आपातकालीन जरूरतों (जैसे मेडिकल इमरजेंसी या सरकारी ड्यूटी) को देखते हुए अब इसे लागू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि अलग-अलग ट्रेनों और श्रेणियों के लिए बर्थ की संख्या तय की गई है। अमृत भारत एक्सप्रेस में यह कोटा उन ट्रेनों में लागू होगा जिनमें सात या उससे अधिक स्लीपर कोच हैं। इनमें स्लीपर क्लास में प्रति ट्रेन 24 बर्थ इमरजेंसी कोटा के लिए आरक्षित की गई हैं। वहीं, वंदे भारत स्लीपर में कोच की श्रेणी के आधार पर बर्थ के आवंटन की व्यवस्था है। इसमें सामान्य दिनों और सप्ताहांत के आधार पर कोटे की बर्थ का प्रावधान है। वंदे भारत स्लीपर में एसी-1 में 4 से 6 बर्थ, एसी-2 में 20 से 30 बर्थ, एसी-3 में 24 से 42 बर्थ आरक्षित होंगी। ये सीटें तब तक खाली रहती हैं जब तक चार्ट तैयार नहीं हो जाता। यदि कोई इमरजेंसी रिक्वेस्ट नहीं आती, तो ये सीटें वेटिंग लिस्ट वाले सामान्य यात्रियों को आवंटित कर दी जाती हैं। इस कोटे की बर्थ को मेडिकल इमरजेंसी (गंभीर बीमारी या अस्पताल जाने के लिए यात्रा), पारिवारिक कारण (परिवार में किसी की मृत्यु या अन्य कोई आकस्मिक घटना), सरकारी ड्यूटी (सांसद, मंत्री, हाईकोर्ट-सुप्रीम कोर्ट के जज और ड्यूटी पर तैनात सरकारी अधिकारी) और अन्य नौकरी के इंटरव्यू या बहुत ही महत्वपूर्ण आधिकारिक कार्य के तहत दी जाती हैं।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास बनेगा एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस हब, सिंगापुर की कंपनी ने दिखाई रुचि

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नजदीक एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस का केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सिंगापुर दौरे के दौरान जेवर में एयर क्राफ्ट मेंटेनेंस सुविधा विकसित करने के लिए एसआइए इंजीनियरिंग कंपनी ने रुचि दिखाई है।

प्रदेश सरकार की योजना जेवर में एयरक्राफ्ट की मेंटेनेंस, रिपेयर एवं ओवर हालिंग (एमआरओ) के अलावा एविएशन उद्योग स्थापित करने की है। ताकि बोइंग और एयरबस आदि व उनके पुर्जों का निर्माण भी यहां हो सकेगा।

सिंगापुर और जापान दौरे के दौरान यीडा क्षेत्र में निवेश को लेकर सबसे अधिक आकर्षण रहा है। यीडा क्षेत्र में एयरकार्गो से लेकर एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस, लाजिस्टिक, टाउनशिप आदि को लेकर सिंगापुर की कंपनियों के साथ एमओयू हुए हैं। जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नजदीक 1365 हे. जमीन एमआरओ की सुविधा विकसित करने के लिए अधिगृहीत की गई है। मुख्यमंत्री के साथ सिंगापुर व जापान दौरे पर गए यीडा सीईओ आरके सिंह ने बताया कि सिंगापुर की एसआइए इंजीनियरिंग कंपनी ने एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस सुविधा विकसित करने का प्रस्ताव दिया है।

इससे यहां रोजगार व निवेश दोनों होगा। एआइ सैट्स ने कार्गो हब के लिए एमओयू किया है। इसके अतिरिक्त सिंगापुर मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी व ग्रुप हाउसिंग के लेकर भी अनुबंध हुए हैं।

मैपल ट्री लाजिस्टिक ने यीडा क्षेत्र में लाजिस्टिक सेक्टर में निवेश के लिए एमओयू किया है। जापान में भी यीडा क्षेत्र में जापानी सिटी के विकास के लिए एमओयू हुए हैं। जापानी एक्सटर्नल ट्रेड आर्गेनाइजेशन के जरिये जापानी सिटी में एमएसएमई उद्योग को विकसित किया जाएगा। यीडा क्षेत्र में निवेश को लेकर जापानी कंपनियों का रुख सकारात्मक है। दौरे के दौरान कुबोटा, होंडा, मिंडा स्पार्क, डेंसो, देबू, सुजुकी मोर्टस के प्रतिनिधियों के साथ ही निवेश को लेकर बैठक हुई हैं। कंपनियों के प्रतिनिधि यीडा क्षेत्र में निवेश के लिए दौरा करेंगे।

नोट लगी कागज की गड्डी थमा बुजुर्ग महिला से गहने उतरवा ले गए टप्पेबाज, जांच में जुटी पुलिस

नोएडा, एजेंसी। नोएडा में फेज वन थाना क्षेत्र के सेक्टर नौ स्थित सब्जी मंडी में खरीदारी कर रही बुजुर्ग महिला को मदद के बहाने दो टप्पेबाजों ने झांसे में लिया। टप्पेबाज पांच सौ के नोट लगी कागज की गड्डी थमाकर महिला से गहने उतरवा ले गए। महिला के चेहरे पर कुछ छिड़ककर बेहोशी की हालत में वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता ने फेज वन थाने में शुक्रवार को मुकदमा दर्ज कराया।

पुलिस मामले में जांच कर रही है। नोएडा सेक्टर-19 की रहने वालीं मिथिलेश देवी मंगलवार शाम करीब साढ़े पांच बजे सेक्टर नौ के पीछे सब्जी मंडी में खरीदारी करने गई थीं। सब्जियां खरीदने के बाद वह पनीर की दुकान पर पहुंचीं। वहां से पनीर और खोया खरीदकर वापस आलू वाले की रेहड़ी की ओर जा जा रही थीं।

हरी चेक की शर्ट और नीली पैंट पहने एक व्यक्ति मिला। उसने मदद के नाम पर नोटों की गड्डी थमाकर ऑनलाइन रकम ट्रांसफर करने का आग्रह किया। मना करने पर व्यक्ति ने महिला के चेहरे पर कुछ छिड़क दिया।

इससे महिला बेहोशी की हालत में जाने लगी। आरोपी महिला को रेहड़ी से कुछ दूर ले गया। जैसे-जैसे व्यक्ति कहते गया। वैसे-वैसे महिला करती गई। आरोपी ने महिला के हाथ से सोने की अंगूठी, कान के टाप्स और गले की सोने की चेन, ओम पेंडेंट आदि उतरवा लिए। आरोपी महिला को अधखुले पैकेट में रखी नोट की गड्डी थमाकर चला गया।

वहीं, करीब आधे घंटे बाद महिला बेहोशी की हालत से बाहर आई। घर पहुंचकर आपबीती बेटे और बहू को सुनाई। जब उनकी बहू ने गड्डी वाला पैकेट खोला तो उसमें सिर्फ एक 500 और 10 रुपये का नोट लगा मिला, जबकि गड्डी में शेष नोट के आकार के खाली कागज थे। इससे महिला को अपने साथ धोखाधड़ी होने का पता चला। महिला ने बेटे की मदद से डायल 112 और थाना पुलिस से शिकायत की। एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच कराई जा रही है।

अधिकारियों के खोखले दावों से यात्री परेशान

कौशांबी बस अड्डे पर घंटों इंतजार के बाद भी नहीं मिल रही बसें

गाजियाबाद, एजेंसी। परिवहन निगम के अधिकारियों के दावों में बसों की कोई कमी नहीं है। इसके बाद भी विभिन्न शहरों के यात्रियों को अड्डे पर बैठकर घंटों तक बसों का इंतजार करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि यात्रियों को बाहर से निजी व डग्गामार वाहनों का सहारा लेकर अपने शहर जाने को मजबूर हैं। शनिवार को भी यात्री सिर पर सामान लादकर बसों का इंतजार करते रहे। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के अधिकारी एक तरफ प्रदेश के सबसे बड़े बस अड्डे से संचालित करने के लिए अलग से 250 बसें आरक्षित की गई हैं, दूसरी ओर यहां पहुंचने वाले यात्री बसों के लिए दिनभर परेशान दिखाई दिए। अधिकारियों की मानें तो पहले किसी भी त्योहार से दो दिन पहले ही अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाता था, लेकिन इस बार करीब पांच दिन पहले से ही बसों का संचालन शुरू कर दिया है। इसके बाद भी यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कानपुर जाने के लिए बस का इंतजार कर रहे अशोक ने बताया कि वह करीब साढ़े 11 बजे आ गए थे, लेकिन डेढ़ बजे तक भी बस नहीं मिली है। अधिकारी जल्द बस आने का आश्वासन दे रहे हैं। इसके अलावा अयोध्या, एटा, आजमगढ़ समेत विभिन्न शहरों के यात्री भी बसों का इंतजार करते मिले।

अपने शहर की बस ढूंढ़ते रहे यात्री : कौशांबी बस अड्डे पर बस नहीं मिलने से कई शहरों के यात्रियों को आनंद विहार बस अड्डे जाना पड़ा। वह सिर पर सामान लादकर ही बस के लिए भटकते रहे। इससे इन यात्रियों को बहुत ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि कुछ शहरों की बसें केवल आनंद विहार से ही मिलती हैं। कौशांबी बस अड्डे के अलावा मोहननगर व एनएच-नौ पर नोएडा सेक्टर-62 के पास भी बड़ी संख्या में यात्री रोडवेज बसों का इंतजार करते रहे। शाम होने के साथ ही यात्रियों की संख्या बढ़ती रही। यहां भी डग्गामार बस संचालक सक्रिय दिखाई दिए।

बोर्ड परीक्षा देने जा रही छात्रा की रास्ते में मौत

बांसवाड़ा, एजेंसी। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहाँ शनिवार सुबह 12वीं बोर्ड की परीक्षा देने जा रही एक छात्रा की संदिग्ध हार्ट अटैक से मौत हो गई। छात्रा अपनी सहेलियों के साथ हंसी-खुशी स्कूल की ओर बढ़ रही थी, तभी रास्ते में अचानक चक्कर खाकर गिर पड़ी और फिर कभी नहीं उठी। परीक्षा केंद्र पहुंचने से पहले ही थम गई सांसें मृतक छात्रा की पहचान पूजा कुमारी मीणा के रूप में हुई है, जो मूल रूप से प्रतापगढ़ जिले के अरनोद की निवासी थी। पूजा पिछले दो वर्षों से सागवा स्थित सरकारी बालिका छात्रावास में रहकर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पढ़ाई कर रही थी। शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे वह अपनी सहेलियों के साथ कृषि विज्ञान का पेपर देने के लिए हॉस्टल से स्कूल की ओर निकली थी।

उदयपुर हाईवे पर चलती बस बनी आग का गोला

धू-धू कर जली स्लीपर कोच, यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

उदयपुर, एजेंसी। सलूंबर जिले के झल्लारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बांसवाड़ा-उदयपुर मार्ग पर रविवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। यहाँ एक चलती स्लीपर कोच बस अचानक आग की लपटों में घिर गई। देखते ही देखते पूरी बस 'कोयला' बन गई, लेकिन राहत की बात यह रही कि बस में सवार सभी 5 यात्री, ड्राइवर और क्लीनर सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहे। इंजन से निकला धुआँ और देखते ही देखते मची चीख-पुकार यह घटना सुबह करीब 6:00 बजे गरडा गांव के पास हुई। 'आशापुरा ट्रैवल्स' की 'मुल्तानी सोना' बस बांसवाड़ा से उदयपुर की ओर जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस अपनी रफ्तार में थी तभी अचानक इंजन वाले हिस्से से गहरा काला धुआँ निकलने लगा। खतरे को भांपते हुए ड्राइवर ने तुरंत बस को सड़क किनारे रोका और शोर मचाकर यात्रियों को नीचे उतरने के लिए कहा। जैसे ही यात्री नीचे उतरे, आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी विकराल थी कि कुछ ही मिनटों में बस का सिर्फ लोहे का ढांचा शेष बचा।

शॉर्ट सर्किट बना हादसे की वजह : शुरुआती जांच में हादसे का कारण बस के इंजन में हुआ शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि स्थानीय संसाधनों से उसे बुझाना नामुमकिन था। जाम की स्थितिः हादसे के चलते हाईवे पर करीब 2 घंटे तक आवागमन पूरी तरह ठप रहा। पुलिस की कार्रवाईः झल्लारा थाना अधिकारी जय किशन फुलवारिया टीम के साथ मौके पर पहुंचे और सुरक्षा के लिहाज से ट्रैफिक रुकवाया। दमकल की मददः सलूंबर से बुलाई गई फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सड़क पर लगा वाहनों का लंबा जाम जलती हुई बस और उससे उठते धुएं के गुबार के कारण पुलिस ने दोनों तरफ के वाहनों को दूर ही रोक दिया था।

बंगाल में एसआईआर के बाद 61 लाख मतदाताओं के नाम काटे गए, 1.2 करोड़ तक जा सकता है आंकड़ा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में पिछले चार महीनों से जारी विशेष गहन संशोधन की प्रक्रिया शनिवार को समाप्त हो गई। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अंतिम मतदाता सूची में राज्य के चुनावी परिदृश्य की एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है। इस बार मतदाता सूची में 8 प्रतिशत (लगभग 61 लाख) की शुद्ध गिरावट दर्ज की गई है, जबकि अन्य 60 लाख मतदाताओं के नाम जांच के घेरे में हैं। शनिवार शाम मुख्य निर्वाचन अधिकारी (CEO) मनोज कुमार अग्रवाल द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, बंगाल की नई मतदाता सूची में 7.04 करोड़ मतदाताओं के नाम हैं। अक्टूबर में जब प्रक्रिया शुरू हुई थी, तब मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ थी, जो अब घटकर 7.04 करोड़ रह गई है। चुनाव आयोग के मुताबिक, सबसे अधिक पुरुष मतदाताओं की संख्या 3,60,22,642 है। इसके बाद

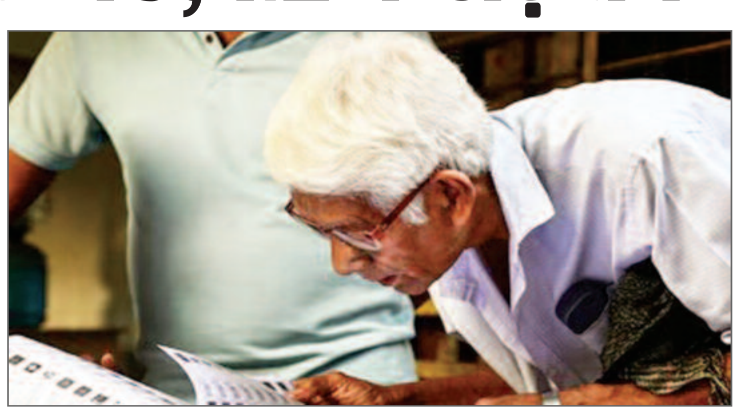

महिला मतदाताओं की संख्या 3,44,35,260 है। वहीं बंगाल में थर्ड जेंडर वोटर की संख्या 1,382 है। अब तक 63,66,952 नाम हटाए गए हैं। ये या तो मृत हो गए हैं या फिर कहीं दूसरी जगह पर शिफ्ट हो चुके हैं।

जांच के दायरे में 60 लाख वोटर :इस संशोधन की सबसे बड़ी और विवादास्पद बात यह है कि 60,06,675 मतदाताओं के नाम अंतिम सूची में तो हैं, लेकिन उनके आगे विचाराधीन का मार्क लगा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त 501 न्यायिक अधिकारी (बंगाल, झारखंड और ओडिशा से) इन नामों की समीक्षा कर रहे हैं। सीईओ अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि जब तक इन अधिकारियों द्वारा नामों को हरी झंडी नहीं दी जाती और सप्लीमेंट्री (पूरक) सूची प्रकाशित नहीं होती, ये 60 लाख लोग आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान नहीं कर पाएंगे। कोलकाता में पत्रकारों से बात करते हुए मनोज कुमार अग्रवाल ने स्वीकार किया कि इस विशाल प्रक्रिया में कुछ त्रुटियां हुई हैं, लेकिन उन्होंने उन्हें नगण्य बताया। उन्होंने कहा, हमें अनियमितताओं के कुछ निश्चित मामले मिले हैं और हम उन पर कड़ी कार्रवाई करेंगे। फिलहाल, 60 लाख लंबित मामले हमारे अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं और न्यायिक अधिकारी इनकी समीक्षा कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि इनका निपटारा जल्द होगा।

क्यों अभूतपूर्व है यह संशोधन : पश्चिम बंगाल का यह चुनाव संशोधन कई मायनों में ऐतिहासिक और विवादित रहा है। माइक्रो-ऑब्जर्वर्स की तैनाती को लेकर विवाद हुआ। पहली बार चुनाव आयोग ने राज्य सरकार के अधिकारियों के काम की निगरानी के लिए हजारों केंद्रीय कर्मचारियों को माइक्रो-ऑब्जर्वर के रूप में तैनात किया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा इस प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, जिसके बाद अदालत ने न्यायिक अधिकारियों को पात्रता तय करने का जिम्मा सौंपा।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम : चुनावों की आहट के बीच राज्य में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है। सीईओ ने बताया कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 240 कंपनियां पहले ही तैनात की जा चुकी हैं और 240 अन्य कंपनियां 10 मार्च से पहले बंगाल पहुंच जाएंगी। चुनाव की घोषणा होने तक कानून-व्यवस्था राज्य प्रशासन के अधीन रहेगी, जिसके बाद यह पूरी तरह चुनाव आयोग के नियंत्रण में आ जाएगी।

हॉकी इंडिया ने महिला विश्व कप क्वालीफायर के लिए टीम घोषित की, सविता निजी कारणों से हटीं

हैदराबाद । अनुभवी गोलकीपर और पूर्व कप्तान सविता पूनिया ने निजी कारणों से महिला विश्व कप क्वालीफायर से नाम वापस ले लिया है जबकि हॉकी इंडिया ने रविवार को मिडफील्डर सलीमा टेटे की कप्तानी में 20 सदस्यीय टीम घोषित की। एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालीफायर आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होना है।

मेजबान भारत, इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरुग्वे, वेल्स और ऑस्ट्रिया अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के तीन क्वालीफिकेशन स्थानों के लिए चुनौती पेश कर रहे हैं। टीम को दो पूल में बांटा गया है जिसमें इंग्लैंड, कोरिया, इटली और ऑस्ट्रिया पूल ए में हैं जबकि मेजबान भारत, स्कॉटलैंड, उरुग्वे और वेल्स को पूल बी में रखा गया है। सूत्रों के मुताबिक सविता ने पारिवारिक कारणों से ब्रेक लिया है। एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, %सविता टूर्नामेंट से पहले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा नहीं थीं क्योंकि उन्होंने पारिवारिक वजहों से नाम वापस ले लिया था। इसलिए उनके नाम पर विचार करने का कोई कारण नहीं था।

अनुभवी सलीमा टीम की अगुआई करती रहेंगी। बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम गोलकीपिंग की जिम्मेदारी साझा करेंगी। सुशीला चानू पुखरामबम, निक्की प्रधान, मनीषा चौहान, उदिता और इशिका चौधरी रक्षा पंक्ति में शामिल हैं जबकि कैप्टन सलीमा, नेहा, सुनीता टोप्पो, साक्षी राणा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, रुतजा ददासो पिसल और दीपिका सोरेंग मिडफील्ड की जिम्मेदारी संभालेंगी।

अग्रिम पंक्ति में नवनीत कौर, इशिका, लालरेमसियामी, ब्यूटी डुंगडुंग, बलजीत कौर और अन्नू को जगह मिली है। मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, हम एक साथ अपने पहले टूर्नामेंट को लेकर उत्सुक हैं। हम फिटनेस और रणनीति पर काम कर रहे हैं जिससे कि टीम में हर कोई अपने काम और भूमिका को समझ सके। हम आगे के मुकाबलों के लिए पूरी तरह से तैयार होने के लिए हैदराबाद में दो अभ्यास मैच खेलेंगे। भारत अपने अभियान की शुरुआत आठ मार्च को उरुग्वे के खिलाफ करेगा। टीम इसके बाद नौ मार्च और 11 मार्च को क्रमशः स्कॉटलैंड और वेल्स के खिलाफ खेलेगी।

टीम :

गोलकीपर : बंसरी सोलंकी, बीचू देवी खारीबम

डिफेंडर : सुशीला चानू पुखरामबम, निक्की प्रधान, मनीषा चौहान, उदिता, इशिका चौधरी

मिडफील्डर : नेहा, सलीमा टेटे, सुनीता टोप्पो, साक्षी राणा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, रुतजा ददासो पिसल, दीपिका सोरेंग

फारवर्ड : नवनीत कौर, इशिका, लालरेमसियामी, ब्यूटी डुंगडुंग, बलजीत कौर और अन्नू

चौथी शादी करने जा रहे पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब मलिक, जानें कौन है होने वाली बेगम

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब मलिक एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर चर्चा तेज है कि वह चौथी शादी करने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी होने वाली दुल्हन पाकिस्तानी टेलीविजन एक्ट्रेस वनीज़ा सत्तार हो सकती हैं। यहां तक कि कुछ मीडिया दावों में 27 फरवरी 2026 को निकाह की संभावित तारीख भी बताई जा रही है। हालांकि, अब तक न तो मलिक और न ही वनीज़ा ने इन खबरों की आधिकारिक पुष्टि की है।

अटकलों ने बढ़ाई हलचल

इन खबरों के सामने आते ही इंटरनेट पर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स लगातार इस खबर पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। हालांकि यह स्पष्ट करना जरूरी है कि फिलहाल यह केवल मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया अटकलों पर आधारित जानकारी है। आधिकारिक बयान आने तक किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

पहले भी सुर्खियों में रही है निजी जिंदगी: Shoaib Malik की निजी जिंदगी पहले भी काफी चर्चा में रही है। उनकी पहली शादी आयशा सिद्दीकी से हुई थी। इसके बाद उन्होंने भारतीय टेनिस स्टार Sania Mirza से निकाह किया, जो लंबे समय तक मीडिया की सुर्खियों में रहा। हाल ही में उन्होंने पाकिस्तानी अभिनेत्री Sana Javed से शादी की थी। अगर वनीजा सत्तार से शादी की खबर सच साबित होती है, तो यह मलिक की चौथी शादी होगी।

कौन हैं वनीजा सत्तार?: वनीजा सत्तार पाकिस्तान की उभरती हुई टेलीविजन अभिनेत्री हैं। उन्हें हम टीवी के ड्रामा Laadli में नाजो के किरदार से पहचान मिली। इस सीरियल में उन्होंने एक जटिल और बिगड़ैल छोटी बहन की भूमिका निभाई थी, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया। वनीजा कराची की रहने वाली हैं और उन्होंने कराची यूनिवर्सिटी से अपनी पढ़ाई पूरी की है। सोशल मीडिया पर भी उनकी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। इंस्टाग्राम पर उनके 1,27,000 से अधिक फॉलोअर्स हैं और वह अक्सर अपनी मां और बहन के साथ तस्वीरें साझा करती रहती हैं।

फुटबॉल टूर्नामेंट खेलने जा रहे 19 खिलाड़ी हादसे का शिकार, 7 की हालत गंभीर

नई दिल्ली। हरियाणा के हिसार जिले के गांव चूली बागड़यान की फुटबॉल टीम शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे का शिकार हो गई। टूर्नामेंट खेलने जा रहे 19 खिलाड़ी घायल हो गए, जिनमें से 7 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

टायर फटने से पलटी गाड़ी: जानकारी के अनुसार, खिलाड़ी सिरसा जिले के रानियां क्षेत्र के गांव हरिपुरा में आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए टाटा मैजिक वाहन में रवाना हुए थे। फतेहाबाद जिले के गांव खाबड़ा के पास अचानक वाहन का टायर फट गया। चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे गाड़ी पहले सड़क किनारे पेड़ से टकराई और फिर खेत में पलट गई। हादसे के वक्त वाहन में कुल 19 खिलाड़ी सवार थे। गाड़ी पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई।

ग्रामीणों ने चलाया राहत अभियान: शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को वाहन से बाहर निकाला और पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी। सभी खिलाड़ियों को तुरंत भट्टू सीएचसी ले जाया गया।

7 खिलाड़ियों को अग्रोहा रेफर

प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बिल्लू, विजय, मुकेश, दिनेश, हिमांशु, क्षितिज और सुनील की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

अन्य 12 खिलाड़ियों – रोहताश, अमन, साबू, छोटू, आशीष, कुलदीप, अनुज, पंकज, भीम सिंह, राघव, विकास और ज्ञानेंद्र – को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। सभी खिलाड़ियों की उम्र 15 से 35 वर्ष के बीच बताई गई है।

गांव की मेहनती टीम, टूर्नामेंट से चूकी

गांव चूली बागड़यान में यह टीम नियमित अभ्यास करती है। गांव के युवाओं ने मिलकर टीम बनाई है और वरिष्ठ खिलाड़ी उन्हें प्रशिक्षण देते हैं। हादसे के कारण टीम टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकी।

सूचना मिलते ही सरपंच प्रतिनिधि विनोद बैनीवाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और खिलाड़ियों के परिजन अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राग मास्टर्स में आज से मुकाबले शुरू, पहले ही दौर में गुकेश बनाम नीमन की टक्कर

नई दिल्ली। प्राग, चेक गणराज्य भारत के विश्व चैंपियन डी गुकेश की क्लासिकल शतरंज में वापसी का इंतज़ार अब समाप्त हो गया है। प्राग मास्टर्स शतरंज का बहुप्रतीक्षित मुकाबला आज से शुरू हो रहा है और पहले ही दौर में गुकेश का सामना अमेरिका के हंस निमैन से होगा। दिसंबर में अपने विश्व खिताब की रक्षा की तैयारी के लिहाज़ से यह टूर्नामेंट गुकेश के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राउंड रॉबिन आधार पर खेले जा रहे इस 9 खिलाड़ी आमंत्रण टूर्नामेंट में विश्व स्तरीय ग्रैंडमास्टर्स हिस्सा ले रहे हैं। पहले दौर में डी गुकेश (2754) सफेद मोहरों से यूएसए के हंस नीमन (2725) के खिलाफ खेलेंगे। अन्य मुकाबलों में उज़्बेकिस्तान के नोदीरबेक याकुब्बोएव का सामना स्पेन के डेविड एंटोन से, नीदरलैंड के जॉर्डन वान फारेस्ट का मुकाबला जर्मनी के विंसेंट केमर से, चेक गणराज्य के डेविड नवारा का सामना ईरान के परहम मघसूदलू से और टाटा स्टील मास्टर्स के

विजेता उज़्बेकिस्तान के नोदीरबेक अब्दुसत्तोरोव की भिड़ंत भारत के अरविंद चितम्बरम से होगी। वहीं चैलंजर वर्ग में भारत के वर्तमान विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख का सामना पहले राउंड में सफेद मोहरो से हंगरी के बेंजामिन ग्लेडुरा से और सूर्या शेखर गांगुली का सामना नीदरलैंड के थॉमस बर्डसेन से होगा . 25 फ़रवरी से 6 मार्च तक चलने वाले इस 9 राउंड के टूर्नामेंट में हर अंक की अहमियत होगी। क्लासिकल प्रारूप में खेला जाने वाला यह आयोजन गुकेश की तैयारियों की गंभीर परीक्षा माना जा रहा है, क्योंकि इसी वर्ष दिसंबर में उन्हें विश्व चैंपियनशिप में अपना ताज बचाने उतरना है। पहले ही दौर की जोड़ी ने टूर्नामेंट को रोमांचक शुरुआत दे दी है और शतरंज प्रेमियों की निगाहें अब प्राग पर टिक गई हैं।

पाकिस्तान-श्रीलंका मैच के बाद अंक तालिका

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 50वें मैच में शनिवार (28 फरवरी) को पल्लीकेले में पाकिस्तान ने श्रीलंका को 5 रन से हरा दिया। हालांकि, इस जीत के बाद भी पाकिस्तान सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाया। सुपर-8 के ग्रुप-1 से इंग्लैंड शीर्ष और न्यूजीलैंड दूसरे नंबर पर हैं। दोनों सेमीफाइनल में पहुंच गए। पाकिस्तान तीसरे और श्रीलंका चौथे नंबर पर रहे। सुपर-8 के ग्रुप-2 से साउथ अफ्रीका पहले और वेस्टइंडीज दूसरे नंबर पर हैं।

भारत तीसरे और जिम्बाब्वे चौथे नंबर पर है। साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंच गया है। भारत-वेस्टइंडीज में एक टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की बात करें तो पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान ने सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट ने 277 रन बनाए हैं। साउथ अफ्रीका के एडेन मार्कराम ने 264 रन बनाए। इंग्लैंड के हैरी ब्रूक ने 228 रन बनाए। वेस्टइंडीज के शिरमोन हेटमायर ने 221 रन बनाए है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की बात करें तो अमेरिका के शैडले वैन शाल्कविक शीर्ष पर हैं। जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजरबानी दूसरे नंबर पर हैं। साउथ अफ्रीका के लुंगी एनगिडी तीसरे, भारत के वरुण चक्रवर्ती चौथे और श्रीलंका के महेश तीक्ष्णा पांचवें नंबर पर हैं।

टॉप-5 बल्लेबाज और गेंदबाज

टी20 वर्ल्ड कप 2026 अंक तालिका

सुपर 8 ग्रुप 1	मैच	जीते	हारे	टाई	बेनतीजा	अंक	हृत्रक्र
साउथ अफ्रीका	2	2	0	0	0	4	2.89
वेस्टइंडीज	2	1	1	0	0	2	1.791
भारत	2	1	1	0	0	2	-0.1
जिम्बाब्वे (बाहर)	2	0	2	0	0	0	-4.475
सुपर 8 ग्रुप 2	**मैच**	**जीते**	**हारे**	**टाई**	**बेनतीजा**	**अंक**	**हृत्रक्र**
इंग्लैंड (सेमीफाइनल)	3	3	0	0	0	6	1.096
न्यूजीलैंड (सेमीफाइनल)	3	1	0	0	1	3	1.39
पाकिस्तान (बाहर)	3	0	1	0	1	3	-0.461
श्रीलंका (बाहर)	3	0	3	0	0	0	-2.8

टी20 वर्ल्ड कप 2026 टॉप-5 बल्लेबाज

खिलाड़ी	मैच	पारी	रन	औसत	स्ट्राइक रेट	चौका	छक्का
साहिबजादा फरहान (पाकिस्तान)	6	6	383	76.6	160.25	37	18
ब्रायन बेनेट (जिम्बाब्वे)	5	5	277	277	135.78	31	6
एडेन मार्कराम (साउथ अफ्रीका)	6	6	264	66	178.38	31	10
हैरी ब्रूक (इंग्लैंड)	7	7	228	32.57	161.7	20	9
शिमरोन हेटमायर (वेस्टइंडीज)	6	6	221	44.2	182.64	15	17

टी20 वर्ल्ड कप 2026 टॉप-5 गेंदबाज

खिलाड़ी	मैच	ओवर	गेंद	विकेट	औसत	रन	4 विकेट
शैडली वैन शाल्कविक (अमेरिका)	4	14.5	89	13	7.77	101	2 0
ब्लेसिंग मुजरबानी (जिम्बाब्वे)	5	20	120	12	13	156	1 0
लुंगी एनगिडी (साउथ अफ्रीका)	5	20	120	11	12.36	136	1 0
महेश तीक्ष्णा (श्रीलंका)	6	23.3	141	11	15.36	169	0 0
वरुण चक्रवर्ती (भारत)	6	20	120	11	13.09	144	0 0

ईरान-अमेरिका संघर्ष का टी20 वर्ल्ड कप पर असर

खिलाड़ियों को सुरक्षित घर भेजने की व्यवस्था कर रही आईसीसी

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 विश्व कप से लौट रहे खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वैकल्पिक उड़ान योजनाओं पर काम कर रहा है। (फोटो सोर्स- एक्सप्रेस फाइल) अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (द्बष्ट्) ने शनिवार (26 फरवरी) को कहा कि ईरान पर अमेरिका के हमलों के मद्देनजर भारत और श्रीलंका में आयोजित टी20 विश्व कप से लौट रहे खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वैकल्पिक उड़ान योजनाओं पर काम किया जा रहा है। सात फरवरी को शुरू हुआ 20 टीमों का यह टी20 टूर्नामेंट आठ मार्च को समाप्त होगा।

इसमें सह-मेजबान भारत समेत छह टीमें अभी भी खिताबी दौड़ में बनी हुई हैं। आईसीसी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, 'इस टूर्नामेंट से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा आईसीसी की सर्वोच्च

प्राथमिकता है।

हमने अपनी यात्रा, लॉजिस्टिक्स और सुरक्षा टीमों को पहले ही सक्रिय कर दिया है और यह सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं कि सभी हितधारक कम परेशानी के साथ सुरक्षित रूप से घर लौट सकें। हम आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए यात्रा करने वाले प्रशंसकों से भी आग्रह करते हैं कि वे निर्देशों पर बारीकी से नजर रखें और उनका पालन करें तथा आगे की किसी भी अंतरराष्ट्रीय यात्रा से पहले सभी पहलुओं पर विचार करें।'

अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों के साथ काम कर रही आईसीसी– आईसीसी ने इन कारकों को ध्यान में रखते हुए कहा कि उसकी 'यात्रा और लॉजिस्टिक्स' टीम प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों के साथ सक्रिय रूप से काम कर रही है ताकि यूरोपीय, दक्षिण एशियाई और दक्षिण-पूर्व एशियाई प्रमुख हवाई अड्डों के माध्यम से कनेक्शन सहित वैकल्पिक मार्गों की पहचान और उन्हें सुरक्षित किया जा सके।

आईसीसी जानकारी साझा करता रहेगा– आईसीसी ने कहा कि वह इस स्थिति पर नवीनतम जानकारी साझा करता रहेगा और वह टी20 विश्व कप 2026 के सुचारू और सुरक्षित समापन के लिए प्रतिबद्ध है। अमेरिका और इजराइल ने शनिवार को ईरान पर एक बड़ा हमला शुरू किया, जिसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की जनता से 1979 से देश पर शासन कर रहे इस्लामी नेतृत्व को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया।

दुबई अहम पड़ाव

आईसीसी ने स्वीकार किया कि खिलाड़ियों, टीम प्रबंधन, मैच अधिकारियों, प्रसारण टीमों और आयोजन कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में कर्मी खाड़ी देशों के प्रमुख हवाई अड्डों, विशेष रूप से दुबई पर निर्भर हैं। इस आयोजन में अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के बाद अपने गृह देशों की यात्रा के लिए दुबई अहम पड़ाव हैं।

भारतीय बैटर तो 2-3 छक्के हुगली नदी तक मार देंगे, श्रीकांत ने किया जीत का दावा; कहा- वेस्टइंडीज 15 तो भारत 18 सिक्स मारेगा

नई दिलली। टीम इंडिया के पूर्व ओपनर क्रिस श्रीकांत ने भारत-वेस्टइंडीज मैच से पहले साफ तौर पर कहा कि भारतीय बैटर्स को चुनौती देने के लिए जिस तरह की फायरपावर चाहिए उसकी इंडीज टीम में कमी है। उन्होंने मजाक में कहा कि भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने के लिए इयान बिशप को आकर बॉलिंग करनी होगी।

इयान बिशप को वेस्टइंजीत के लिए करनी होगी गेंदबाजी– श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि वेस्टइंडीज की टीम पावर-हिटिंग पर भरोसा करती है, लेकिन उनके पास अच्छे गेंदबाजों की कमी है। उन्होंने वेस्टइंडीज की बैटिंग यूनिट को भी इनकंसिस्टेंट बताया और कहा कि कुल मिलाकर भारत कहीं बेहतर टीम है। श्रीकांत ने कहा कि वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों के पास छक्के लगाने की क्षमता है, लेकिन उनके लिए बॉलिंग कौन करेगा। इयान बिशप को बस वापस आकर उनके लिए बॉलिंग करनी होगी। उनका टॉप ऑर्डर भी बहुत खराब है, खासकर ओपनर।

भारत को मिलेगी आसान जीत– उन्होंने आगे कहा कि शिमरोन हेटमायर टॉप ऑर्डर में एक अच्छे खिलाड़ी हैं जिन्हें भारतीय कंडीशन के बारे में पता है, लेकिन उनकी बैटिंग लाइनअप बहुत ज्यादा हिट एंड मिस है साथ ही भारत कहीं ज्यादा बेहतर टीम है। भारतीय बैटर्स शेमार जोसेफ जैसे बॉलर्स की धुनाई कर देंगे। वहीं ब्रैंडन किंग, शाई होप ने बिल्कुल भी रन नहीं बनाए हैं। भारत के लिए यह इतनी आसान जीत होगी कि परसेंटेज की जरूरत नहीं है।

इम्यूनिटी बढ़ाने और तनाव खत्म करने में मदद करता है लाफ्टर थेरेपी, जानिए इसके फायदे

अंग्रेजी की एक कहावत लाफ्टर इज द बेस्ट मेडिसन के बारे में तो आप सभी ने सुना होगा। लेकिन वर्तमान समय में लोग शायद इस कहावत को जैसे भूल चुके हैं। आजकल की बिजी लाइफस्टाइल की वजह से लोगों के पास खुलकर हंसने का भी समय नहीं है। लेकिन अगर आप दिनभर में सिर्फ एक बार खुलकर हंसते हैं, तो इससे आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। बता दें कि खुलकर हंसने को लाफ्टर थेरेपी या हास्य योग भी कहा जाता है।

लाफ्टर थेरेपी में सिर्फ खुलकर हंसा जाता है। यह योग एक प्राकृतिक तरीका है मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को ठीक रखने का। हालांकि बहुत सारे लोगों को इसके लाभ के बारे में नहीं पता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हास्य योग के फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं। जिससे कि आप भी अपनी डेली रूटीन का हिस्सा बना लेना चाहिए और खुद को फिट रख सकते हैं।

तनाव से मिलेगी मुक्ति

अगर आप दिन में लाफ्टर क्लब में अपने दोस्तों, करीबियों और परिवार के साथ कुछ समय बिताते हैं और खुलकर हंसते हैं। तो इससे तनाव से राहत मिलती है। क्योंकि जब आप खुलकर हंसते हैं, तो शरीर में एंडोर्फिन नामक हार्मोन रिलीज होता है। जोकि आपके मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने के साथ ही तनाव को भी कम करता है।

दिल होगा मजबूत

जब आप खुलकर हंसते हैं तो इससे आपका दिल मजबूत होता है। क्योंकि हंसने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। इसलिए दिन में किसी ऐसे इंसान से जरूर बात करें, जिनसे बात करके आपको अच्छा महसूस होता है।

पाचन तंत्र में होगा सुधार

खुलकर हंसने से पेट की मांसपेशियों पर सीधा असर होता है। अगर आप दिन में एक अच्छे से हसेंगे तो इससे पाचन तंत्र भी मजबूत होगा। वहीं पेट संबंधी समस्याओं का खतरा भी कम होता है। साथ ही यह कैलोरी बर्न करने में भी सहायता करता है।

इम्यूनिटी होगी मजबूत

बता दें कि हंसने की वजह से आपकी इम्यूनिटी बढ़ती है। ऐसे में आप बिता बात के लाफ्टर क्लब में हंसे या फिर अपने दोस्तों के साथ ठहाके लगाएं। इससे आपकी इम्यूनिटी पर अच्छा असर पड़ता है। क्योंकि हंसने से शरीर में ऑक्सीजन का संचार होता है और इम्यूनिटी भी मजबूत होती है।

हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में लाभकारी हो सकता है ये उपाय, दवाओं की नहीं पड़ेगी जरूरत

बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल के लिए कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। जिन लोगों का खानपान और लाइफस्टाइल ठीक नहीं होता है, उन लोगों में हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या अधिक देखने को मिलती है। हालांकि हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए करने के लिए 80/20 उपाय एक लाइफस्टाइल के तौर पर अपनाया जा सकता है। 80/20 के उपाय में 80त्न समय सक्रिय रहने और व्यायाम करने पर जोर दिया जाता है, तो वहीं 20त्न का समय आराम के लिए होता है। वहीं डाइट और व्यायाम आदि के जरिए हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल किया जा सकता है। ऐसे में अगर आपका भी कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के लिए हम आपको हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल में रखने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

80/20 उपाय के लिए डाइट

फाइबर से भरपूर डाइट

फल, सब्जियां, दालें, साबुत अनाज और बीन्स में पर्याप्त मात्रा में घुलनशील फाइबर पाया जाता है, जोकि कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायता करता है।

स्वस्थ वसा

वहीं एवोकाडो, नट्स, ऑलिव ऑयल और अलसी के बीज में वसा पाई जाती है, जो हृदय की सेहत के लिए अच्छा होता है। वहीं यह हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद कर सकते हैं।

संतृप्त और ट्रांस वसा

डेयरी उत्पाद, लाल मांस और संसाधित खाद्य पदार्थों में संतृप्त वसा होती है। इसलिए हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए संतृप्त और ट्रांस वसा का कम से कम सेवन करना चाहिए।

व्यायाम

नियमित रूप से दौड़ना, चलना, साइकिल चलाना और तैरना जैसे कार्डियो व्यायाम करना चाहिए। यह कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद करता है।

इसके अलावा रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम जरूर करना चाहिए। या फिर डॉक्टर द्वारा बताए गए व्यायाम करें।

अगर आप ऑफिस में काम करते हैं, तो थोड़ी-थोड़ी देर पर टहलते रहें या फिर अन्य तरीके से सक्रिय रहें।

वहीं वजन कम करने से भी एलडीएल कोलेस्ट्रॉल कम हो सकता है।

धूम्रपान

कोलेस्ट्रॉल की समस्या होने पर धूम्रपान का सेवन नहीं करना चाहिए। क्योंकि यह कोलेस्ट्रॉल के लेवल को बढ़ा सकता है और साथ ही धूम्रपान करने से हृदय रोग का खतरा भी बढ़ता है।

वहीं लहसुन और प्याज में कोलेस्ट्रॉल को कम करने वाले गुण पाए जाते हैं।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर अर्जुन की छाल को पानी में उबालकर पीने से यह समस्या काफी हद तक कम की जा सकती है।

कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए अधिक पानी पीना चाहिए।

जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट

अगर कोलेस्ट्रॉल का लेवल अधिक है, तो डॉक्टर से फौरन संपर्क करना चाहिए।

अगर आपको हाई कोलेस्ट्रॉल के लिए दवा की जरूरत है तो आपको डॉक्टर से परामर्श के बाद ही दवा का सेवन करना चाहिए।

80/20 का उपाय अपनाकर कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल किया जा सकता है। साथ ही यह हृदय रोग के खतरे को भी कम करता है।

सेब खाने के कितने देर बाद पानी पीना चाहिए?

हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर सेब खाने की सलाह देते हैं। सेब का सेवन कर आप न केवल अपने इम्यून सिस्टम को बूस्ट कर सकते हैं बल्कि अपनी ओवरऑल हेल्थ को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सेब को सही तरीके से कंज्यूम करना बेहद जरूरी है। क्या आप जानते हैं कि सेब खाने के तुरंत बाद पानी पीने से आपकी सेहत पर नेगेटिव असर भी पड़ सकता है?

सेब कंज्यूम करने का तरीका

आप एक दिन में एक से दो सेब खा सकते हैं। सुबह-सुबह खाली पेट सेब का सेवन करने से बचना चाहिए। शाम के समय भी सेब खाने से सेहत पर पॉजिटिव की जगह नेगेटिव असर पड़ सकता है। सेब को नाश्ते के बाद कंज्यूम किया जा सकता है। सेब खाने के कम से कम आधे से एक घंटे बाद ही पानी पीना चाहिए। सेब का सेवन करने के तुरंत

बाद पानी पीना सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

गौर करने वाली बात

आइए जानते हैं कि आपको सेब खाने के तुरंत बाद किन-किन चीजों को कंज्यूम करने से बचना चाहिए। सेब खाने के बाद मूली या फिर अचार जैसी चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। इसके अलावा इस फल को खाने के बाद चाय पीने से भी बचना चाहिए। सेब खाने के तुरंत बाद दूध पीना गट हेल्थ के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। सेब खाते समय आपको इन छोटी-छोटी बातों को अपने दिमाग में जरूर रखना चाहिए।

सेहत के लिए वरदान

दादी-नानी के जमाने से सेब को सेहत के लिए वरदान माना जाता रहा है। सेब आपकी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर मोटापे को दूर करने में भी कारगर साबित हो सकता है। सेब बोन हेल्थ से लेकर हार्ट हेल्थ तक, आपकी सेहत को चौतरफा फायदे पहुंचाने में मददगार साबित हो सकता है।

बढ़ती उम्र में जवां दिखने के लिए महिलाएं रोजाना करें ये एक्सरसाइज, सेहत को भी मिलेंगे फायदे

हर महिला के लिए 30-40 साल की उम्र का समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। क्योंकि इस दौरान महिलाओं के शरीर में कई तरह के हार्मोनल बदलाव होते हैं। जो महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्थिति को प्रभावित करते हैं। इन हार्मोनल बदलाव की वजह से 30 से 40 साल की उम्र की महिलाओं को मेटाबॉलिज्म भी धीमा हो जाता है। जिसकी वजह से महिलाओं को पाचन संबंधी समस्या और वजन आदि बढ़ने लगता है। वहीं 30 से 40 साल की उम्र में हेल्दी और फिट रहने के लिए महिलाओं को एक्सरसाइज जरूर करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि इस उम्र में महिलाओं को कौन सी एक्सरसाइज करना चाहिए।

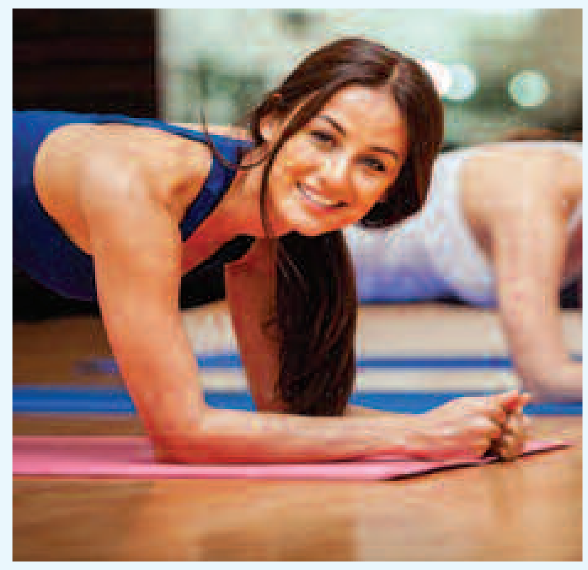

कार्डियो एक्सरसाइज

रोजाना 30 से 40 साल की उम्र वाली महिलाओं को कार्डियो एक्सरसाइज करना चाहिए। क्योंकि इससे आपकी दिल की सेहत में सुधार होता है और वेट कंट्रोल होता है। इसलिए रोजाना 30 मिनट जॉगिंग, वॉकिंग, स्विमिंग या साइकिलिंग जैसी एक्सरसाइज करना चाहिए। कार्डियो करने से उम्र के साथ हार्मोन असंतुलन भी ठीक होता है।

पिलाटेज

रोजाना 20 से 25 मिनट तक पिलाटेज एक्सरसाइज करने से महिलाओं की कोर स्ट्रेंथ मजबूत होती है और बैलेंस को मेंनटेन करने में सहायता मिलती है। वहीं 30 उम्र के बाद कमर, पीठ और शरीर के दर्द से राहत मिलती है।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने से महिलाओं की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इसलिए रोजाना पुशअप्स, स्क्वाट्स और वेट लिफ्टिंग जैसी एक्सरसाइज करना महिलाओं के लिए फायदेमंद होता है।

हाई-इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग

वहीं 30 साल की उम्र के बाद मेटाबॉलिज्म को स्ट्रांग बनाने और वेट लॉस में हाई-इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग लाभकारी होती है। यह एक्सरसाइज करने से शरीर की एक्स्ट्रा कैलोरी कम करने और फिट रहने में सहायता मिलती है।

ब्रीदिंग और बैलेंसिंग एक्सरसाइज

बता दें कि सांस संबंधित एक्सरसाइज जैसे डीप ब्रीदिंग और प्राणायाम करने से मानसिक तनाव कम होता है। वहीं रोजाना ब्रीदिंग करने से शरीर को पर्याप्त रूप से ऑक्सीजन मिलता है, जिससे शरीर का विषाक्त पदार्थ बाहर निकालने में सहायता मिलती है। वहीं बैलेंस एक्सरसाइज करने से सही तरीके से चलने और उठने-बैठने में आसानी होती है।

1 महीने सुबह अनार का जूस पीने के 10 फायदे, सेहत से लेकर सुंदरता तक के लिए रामबाण उपाय

अनार को पोषक तत्वों का पावर हाउस कहा जाता है। लाल-सुर्ख स्वाद में मीठा अनार कई तरह के औषधीय गुणों से भरपूर होता है। इसमें आयरन, पोटेशियम, फाइबर, विटामिन सी, विटामिन के, विटामिन बी, जिंक और ओमेगा-6 फैटी एसिड जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। रोजाना अगर सुबह एक गिलास अनार का ताजा जूस पिया जाए तो सेहत में कई तरह के चमत्कारिक बदलाव नजर आ सकते हैं। आइए जानते हैं इसके बारे में।

त्वचा पर लाए चमक

अनार विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। इसका सेवन करने से कोलेजन उत्पादन को बढ़ावा मिलता है। इससे त्वचा पर प्राकृतिक चमक आती है।

वेटलॉस में करे मदद

सुबह खाली पेट एक अनार का जूस पीने से वजन को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि अनार कम कैलोरी वाला फल होता है।

स्ट्रेस करे कम

आज के समय में हर कोई किसी न किसी वजह से तनाव में रहता है। ऐसे में अनार के जूस का सेवन करने से मानसिक तनाव कम होता है।

खून की कमी करे दूर

महिलाओं में अक्सर खून की कमी देखी जाती है। ऐसे में उन्हें रोजाना अनार का जूस पीना चाहिए। यह आयरन का अच्छा सोर्स माना जाता है, जो खून की कमी को दूर करने में मदद कर सकता है।

इम्यूनिटी को करे बूस्ट

अनार के जूस में विटामिन सी, ई और के जैसे पोषक तत्व होते हैं। इसके साथ ही अनार का जूस प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। इसे पीने से आपकी इम्यूनिटी बूस्ट होती है।

सूजन घटाने में करे मदद

कई लोग शरीर के अलग-अलग हिस्से पर कई वजहों से सूजन आने से परेशान रहते हैं। ऐसे में अनार का जूस सूजन से लड़ने में मदद करता है।

याददाश्त बनाए बेहतर

इसे नियमित रूप से पीने से मस्तिष्क को ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाकर याददाश्त और सीखने की क्षमता बढ़ सकती है।

दिल को रखे स्वस्थ्य

अनार का जूस रोजाना पीने से रक्तचाप कम होता है। कोलेस्ट्रॉल का स्तर बेहतर रहता है। इसके सेवन से आपका दिल स्वस्थ रहता है।

पाचन में करे मदद

अनार का रस पाचन को उत्तेजित करता है। इसके साथ ही आंत को आराम देता है। खासकर सुबह के समय इसे पीने से शरीर को कई तरह के लाभ मिलते हैं।

नेचुरल एनर्जी करे बूस्ट

रोजाना अनार का जूस पीने से नेचुरल एनर्जी बूस्ट होती है। इसमें प्राकृतिक शर्करा और पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं।

‘मैं शादीशुदा हूं ये भूल जाती हूं’

● तापसी पन्नू ने बताया क्यों की मैथियास बो से शादी? लड़कियों को दी ये सलाह

तापसी पन्नू अपनी शादी और पर्सनल जिंदगी को काफी सीक्रेट रखती हैं। उन्होंने पति मैथियास से शादी से पहले 13 साल तक डेट किया, लेकिन किसी को कानों कान खबर नहीं लगने दी। इसके बाद उन्होंने शादी भी बिना किसी हो-हल्ले के सिंपल तीरके से कर ली, जिसमें सिर्फ परिवार और करीबी ही शामिल हुए। अब हाल ही में तापसी ने बताया कि उन्हें किस तरह का रिलेशनशिप पसंद है और क्यों उन्होंने 13 साल बाद मैथियास को अपना हमसफर बनाया?

शादी के बाद नहीं आया कोई बदलाव

शुभांकर मिश्रा के साथ पॉडकास्ट में एक्ट्रेस ने अपने शादीशुदा रिश्ते और पति मैथियास को लेकर बात की। एक्ट्रेस ने मैथियास के बारे में कहा कि उन्होंने मुझे कभी भी रिश्ते का बोझ महसूस नहीं होने दिया। शादी के बाद भी कुछ खास बदलाव नहीं आया। मैं लगभग भूल ही जाती हूं कि मैं शादीशुदा हूं। शादी से पहले मेरी सिर्फ एक ही शर्त थी कि शादी के बाद भी सब कुछ पहले जैसा ही रहे। एक्ट्रेस ने कहा कि मेरे लिए रिश्ते में सहजता और कंफर्ट सबसे महत्वपूर्ण रखता है। यही कारण है कि मैंने मैथियास से शादी की, क्योंकि उनमें एक सहजता है।

मैं नहीं चाहती शादी से रिश्ते में बदलाव आए

मैथियास बो एक प्रसिद्ध और ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। अब वो भारत में भी कई खिलाड़ियों को कोचिंग दे रहे हैं। तापसी ने बताया कि शादी के बाद वो डेनमार्क नहीं गईं, बल्कि मैथियास यहां भारत में रहने लगे। मैथियास से शादी को लेकर तापसी ने कहा कि उनकी सहजता ही इसकी वजह थी। कोई भावनात्मक बोझ नहीं था, कोई बाध्यता नहीं थी। मैं कभी नहीं चाहती थी कि शादी पहचान में बदलाव का एहसास कराए। मेरा मानना है कि अगर रिश्ते में बदलाव आता, तो इसे औपचारिक रूप देने का कोई मतलब नहीं होता। हमें सचमुच एक-दूसरे के साथ रहना पसंद है। तभी हमने आगे बढ़ने का फैसला किया। क्योंकि लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में कई चुनौतियां आ रही थीं।

विजय सेतुपति की अगली फिल्म ‘पॉकेट नॉवेल’ में नजर आएंगी मालविका मोहनन

तमिल सिनेमा के मशहूर निर्देशक त्यागराजन कुमारराजा ने अपनी आगामी फिल्म का नाम ‘पॉकेट नॉवेल’ रखा है। हाल ही में इसकी आधिकारिक घोषणा हुई। इस फिल्म में विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म ‘पॉकेट नॉवेल’ का पोस्टर जारी किया है, जिसमें विजय सेतुपति का आधा चेहरा दिखाई दे रहा है। बैकग्राउंस में पोस्टर का रंग लाल है, जिसकी वजह से यह पोस्टर और ज्यादा इंटेंस लग रहा है। फिल्म के पोस्टर के साथ निर्माताओं ने इस फिल्म की स्टार कास्ट के बारे में भी अहम जानकारी दी है।

‘पॉकेट नॉवेल’ की स्टार कास्ट

इस फिल्म में विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में मालविका मोहनन और राज बी शेट्टी के अलावा किशोर भी एक अहम किरदार में नजर आएंगे। प्रोडक्शन कंपनी टायलर डर्डन एंड किंग फिस्ट ने सोशल मीडिया पर फिल्म का टाइटल पोस्टर जारी किया है। इसके साथ ही यह भी बताया कि सोमवार से शूटिंग शुरू हो चुकी है। पोस्टर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ‘त्यागराजन कुमारराजा की फिल्म ‘पॉकेट नॉवेल’ की शूटिंग शुरू।’

फिल्म ‘पॉकेट नॉवेल’ के बारे में

‘पॉकेट नॉवेल’ का संगीत इलैयाराजा तैयार कर रहे हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी की जिम्मेदारी नीरव शाह के कंधों पर है। इस फिल्म की कहानी और पटकथा एंड्रयू लुईस ने लिखी है। वहीं इस फिल्म के गाने युग भारती ने लिखें हैं। विजय की इस फिल्म की घोषणा से फैंस और सिनेमा प्रेमियों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बना रहे हैं विवेक अग्निहोत्री?

फिल्म ‘कश्मीर फाइल्स’ फेम निर्देशक विवेक अग्निहोत्री को लेकर ऐसी चर्चा है कि वे पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों की तरफ से पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। ऐसी अफवाहों पर विवेक अग्निहोत्री ने चुप्पी तोड़ी है।

ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाने की अफवाहों पर क्या कहा?

पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 आतंकी हमला हुआ था इसके बाद भारतीय सेना की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया, जिसके तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि विवेक, टी-सीरीज के साथ मिलकर ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाने वाले हैं। वहीं, इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, एक बातचीत में विवेक अग्निहोत्री ने इस टॉपिक पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि वे एक बड़े नेशनलिस्टिक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने और डिटेल्स बताने से मना कर दिया।

जल्द करेंगे बड़े प्रोजेक्ट का एलान: विवेक अग्निहोत्री ने ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित फिल्म बनाने संबंधी रिपोर्ट्स की पुष्टि करने या खारिज करने से मना करते हुए कहा, ‘मैं किसी का नाम नहीं बता रहा हूं। मैं कह रहा हूं कि मैं एक बड़े नेशनलिस्टिक प्रोजेक्ट पर काम कर रहा हूं और मैं अपने समय पर इसका एलान करूंगा। यह बहुत बड़ा और बहुत ही दिलचस्प प्रोजेक्ट है।

अफवाहों को न खारिज किया, न ही पुष्टि की

पिंकविला के मुताबिक, प्रोडक्शन हाउस के करीबी सूत्रों ने बताया, ‘भूषण कुमार और विवेक अग्निहोत्री ने अपनी अगली फिल्म ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के लिए हाथ मिलाया है। इसे टी-सीरीज और आई एम बुद्धा प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया जाएगा।

विवेक अग्निहोत्री इसके निर्देशन की जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि, विवेक अग्निहोत्री से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बताया। उन्होंने न ही पुष्टि की, न ही खारिज किया। हालांकि, देखना दिलचस्प होगा कि निर्देशक ने अपने जिस अगले प्रोजेक्ट की बात की है, क्या वह इसी मुद्दे पर है या किसी और विषय पर फिल्म बना रहे हैं।

होली से पहले अक्षरा सिंह का धमाका

होली का त्योहार जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे ही उत्साह और रंगों की बहार चारों तरफ छा रही है। बाजार सज रहे हैं। भोजपुरी इंडस्ट्री में धीरे-धीरे गाने भी रिलीज हो रहे हैं। इसी कड़ी में भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह का नया गाना ‘होली पे चले गोली’ शनिवार को रिलीज हो गया। यह गाना काफी धमाकेदार और मजेदार है। इस गाने की खास बात यह है कि इसमें अक्षरा के साथ वरुण शर्मा भी नजर आ रहे हैं। गाने में दोनों कलाकारों का कमाल का परफॉर्मेंस है। अक्षरा अपने आकर्षक हाव-भाव और स्टाइल से दिल जीत रही हैं, जबकि वरुण शर्मा भी अपना अलग अंदाज बिखेर रहे हैं। गाने में रंग, जोश और मस्ती से भरा माहौल है, जो होली के उत्सव को और भी रंगीन बना रहे हैं। अक्षरा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर गाने का क्लिप शेयर किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, ‘’होली पे चले गोली’ इस साल होली का सबसे बड़ा धमाका होने वाला है। रंग, स्टाइल और ढ़ेर सारी मस्ती आपका इंतजार कर रही हैं। इस खास मौके पर आएंगे बेहद मनोरंजक वरुण शर्मा और शानदार अक्षरा सिंह के साथ जश्न होगा जोरदार। गाना एकदम दमदार और जोश से भरपूर होगा। बने रहिए हमारे साथ और इस धमाकेदार सेलिब्रेशन को भूलना मत। ‘ सॉन्ग ‘होली पे चले गोली’ को अभि दत्त, दीपाली साठे और विक्रम मोंट्रोज ने मिलकर गाया है और अजीम शिराजी ने लिखा है, जबकि विक्रम मोंट्रोस ने कंपोज किया है। गाने के रिलीज के बाद फैंस काफी एक्साइटेड हैं। कई लोगों ने अक्षरा सिंह के अंदाज और वरुण शर्मा के साथ उनकी जोड़ी की तारीफ की है। होली के मौके पर भोजपुरी गानों की मांग हमेशा ज्यादा रहती है। अक्षरा सिंह का यह नया गाना लोगों को रंगों में डुबोने और थिरकने का मौका देगा। अक्षरा सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। वे न सिर्फ अभिनय, बल्कि गायिकी से भी दर्शकों के दिलों में खास पहचान रखती हैं। उनके गाने कई लोगों को पसंद भी आते हैं।

बॉलीवुड छोड़कर हॉलीवुड जाने पर प्रियंका चोपड़ा ने दिया बड़ा बयान, कहा -

‘मुझे पुश किया गया’

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा दुनियाभर में मशहूर हैं। उन्होंने बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों में काम किया है और अपने करियर में कई शानदार फिल्में की हैं। अपने करियर के पीक समय में उन्होंने बॉलीवुड छोड़ दिया था और हॉलीवुड का रुख किया था। लेकिन अब प्रियंका चोपड़ा ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि वे कभी बॉलीवुड छोड़ना नहीं चाहती थीं, लेकिन परिस्थितियों ने उन्हें हिंदी सिनेमा से बाहर मौके तलाशने के लिए ‘पुश’ किया।’

मैं कभी बॉलीवुड नहीं छोड़ना चाहती थी

बॉलीवुड से हॉलीवुड तक के अपने सफर पर बात करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने खुलकर अपनी दिल की बात शेयर की। प्रियंका ने कहा, ‘मुझे नहीं लगता कि मैं कभी बॉलीवुड छोड़ना चाहती थी। लेकिन जब मैं हिंदी फिल्मों में काम कर रही थी, तो कई वजहों से खुद को थोड़ा सीमित महसूस करती थी। मैं अपने काम का दायरा बढ़ाना चाहती थी। एक कलाकार के तौर पर मैं कुछ नया और रोमांचक करना चाहती थी। इसी सोच ने मुझे दूसरे मौके तलाशने के लिए प्रेरित किया।’ उन्होंने आगे कहा, ‘इसी तलाश ने मुझे अमेरिका पहुंचाया। अब करीब 12 साल बाद मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं उस मुकाम पर हूं, जहां मैं अपने मनपसंद और बेहतरीन प्रोजेक्ट्स चुन सकती हूं। लेकिन यह सफर बिल्कुल आसान नहीं था।’

मुझे दोनों इंडस्ट्री में काम करना पसंद है

उन्होंने आगे कहा, ‘मुझे मेरी इंडियन फिल्मों से प्यार है। मैं बहुत खुश हूं कि वापस भारत में आकर वाराणसी फिल्म के लिए काम कर रही हूं। मैं कभी भी इन दोनों में से किसी एक को चुनना नहीं चाहूंगी। मैंने कभी ऐसा किया भी नहीं। मुझे लगता है कि मैं दोनों इंडस्ट्री के बीच संतुलन बनाकर चलती हूं और मुझे दोनों इंडस्ट्री में काम करना पसंद है। दोनों जगह काम करने का तरीका कई मायनों में अलग है, ठीक वैसे ही जैसे उनकी संस्कृतियां अलग होती हैं। लेकिन अब मेरा दिमाग दोनों तरीकों से सोचने का आदी हो चुका है। यह अपने आप में एक अनोखा, शानदार और मजेदार अनुभव है।’

प्रियंका चोपड़ा की आगामी फिल्में

प्रियंका चोपड़ा के करियर फ्रंट की बात करें तो वह हॉलीवुड फिल्म ‘द ब्लफ’ में नजर आएंगी। उनके साथ लीड रोल में कार्ल अर्बन रहेंगे। ये एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है, जो 25 फरवरी 2026 को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली है।

एआई सिनेमा को आकार दे सकता है, लेकिन मानवीय भावनाओं को नहीं : ताहा शाह बदुशा

चाहे विजुअल इफेक्ट्स हों, डबिंग हो या सीजीआई (छ्त्रढ्ढ) हो, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस फ़िल्ममेकिंग की दुनिया को पूरी तरह बदल रहा है। विशेष रूप से अभिनेताओं पर इसके प्रभाव को लेकर चर्चाएँ तेज़ होती जा रही हैं। ऐसे में कुछ लोगों को लगता है कि एआई भविष्य में अभिनय के हर पहलू की नकल कर सकता है, लेकिन ‘हीरामंडी’ स्टार ताहा शाह बदुशा ऐसा नहीं मानते। उनके अनुसार, तकनीक सिनेमा को बेहतर बना सकती है, लेकिन वह उस भावनात्मक सच्चाई की जगह नहीं ले सकती, जो सिर्फ़ एक इंसान परदे पर ला सकता है। इस संदर्भ में ताहा कहते हैं, ‘जब कोई भावनात्मक सीन होता है, फिर वो चाहे माँ के साथ हो, पत्नी के साथ हो या बच्चे के साथ हो, तो वह भावना हमें खुद महसूस करनी होती है। इस जुड़ाव या भावना को हम चाहकर भी मशीन से पैदा नहीं कर सकते।’ गौरतलब है कि एआई ने तकनीकी रूप से काफ़ी तरक़्क़ी कर ली है। आज की फ़िल्में पहले से कहीं ज़्यादा शानदार और तकनीकी रूप से परफ़ेक्ट दिखती हैं। इस विषय में ताहा कहते हैं, ‘कभी एडिट में हल्की सी जंप दिख जाती है, कभी लिप-सिंक थोड़ा सा अटपटा लगता है, या कोई इमोशनल बीट पूरी तरह असर नहीं छोड़ पाती।

मुझे यक़ीन है कि आने वाले समय में ये तकनीकी कमियाँ भी दूर हो जाएँगी, लेकिन अभिनेता और दर्शक के बीच का भावनात्मक रिश्ता कहीं ज़्यादा गहरा होता है। दर्शकों का जुड़ाव परफ़ेक्शन से नहीं, बल्कि सच्चाई से होता है। लोग किसी इमेज से नहीं, एक इंसान से जुड़ते हैं। वे उसकी कमज़ोरियों से, उसकी ख़ामोशी से, उन ठहरावों से जुड़ते हैं, जो प्रोग्राम नहीं किए गए होते। उन्हीं ख़ामोशियों में असली क्रिएटिविटी बसती है। ‘ ताहा यह भी मानते हैं कि एआई फ़िल्ममेकिंग के कई तकनीकी पहलुओं को संभालेगा।

कोंकणा सेन शर्मा की ‘अक्यूज्ड’ का ट्रेलर रिलीज

लेयर्ड है फिल्म की कहानी; प्रतिभा रांटा का दिखा दमदार अंदाज

इस महीने की शुरुआत में नेटफ्लिक्स ने इस साल आने वाले अपने प्रोजेक्ट्स की घोषणा की थी। इसमें एक नाम शामिल था नेटफ्लिक्स की फिल्म ‘अक्यूज्ड’ का। कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा स्टारर इस फिल्म का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। यह एक सस्पेंस-थ्रिलर ड्रामा है। ’अक्यूज्ड’ पोलैंड में सेट सस्पेंस ड्रामा है। कहानी के केंद्र में हैं डॉ. गीतिका (कोंकणा सेन शर्मा), जो एक जाने-माने हॉस्पिटल में सबसे कम उम्र की हेड ऑफ डिपार्टमेंट के तौर पर काम कर रही हैं। डॉ. गीतिका एक मशहूर एलजीबीटीक्यू गायनेकोलॉजिस्ट हैं। वह डीन बनने की तैयारी कर रही हैं। गीतिका अपनी लेस्बियन पार्टनर मीरा (प्रतिभा रांटा) के साथ मिलकर एक बच्चे को एडॉप्ट करने की प्लानिंग करती हैं। लेकिन तभी सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया जाता है। डॉ. गीतिका पर यौन दुराचार के गंभीर आरोप लगते हैं। उन्हें काफी कुछ कहा जाता है। इससे डॉ. गीतिका की जिंदगी और करियर, दोनों में भूचाल आ जाता है। जनता और अधिकारियों का शक बढ़ता है और सच्चाई धुंधली होती जाती है। इसके पीछे कौन है और क्या वजह है, ये फिल्म देखने पर पता चलेगा।

स्वामित्व, प्रकाशन एवं संपादन – कृष्णा टेकरीवाल प्रकाशित समाचारों की सत्यता हेतु संबंधित संवाददाता जिम्मेदार होंगे विज्ञापन हेतु मोबाइल : 9801716267